RNI NO-UPHIN/2013/50533

अर्ली न्यूज़

समय के साथ

हिन्दी दैनिक

Early News

HAPPY INDEPENDENCE DAY 15 AUGUST INDIA

वर्ष : 09 | अंक :95 | www. earlynews.in | लखनऊ, 15 अगस्त रविवार | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2: 00 रुपए

अर्ली न्यूज़
हिन्दी दैनिक
लखनऊ 15 अगस्त रविवार 2021
www.earlynews.in

संक्षेप

अज्ञात वाहन की टक्कर से गोवंश घायल

कड़ा/कौशाम्बी। कड़ाधाम कोतवाली के गरडिया पुर ढाल के समीप शुक्रवार देर रात अज्ञात वाहन ने 1 गोवंश को टक्कर मारकर बुरी तरह घायल कर दिया। घायल गोवंश सड़क के किनारे तड़प रहा था शनिवार की सुबह स्थानीय लोगों ने घायल गोवंश की हालत बिगड़ती देखी तो सीवीओ कौशांबी बी पी पाठक को फोन पर इसकी जानकारी दी,सीवीओ ने तत्काल कड़ा पशु चिकित्सालय की टीम को भेजकर गोवंश का इलाज प्रारंभ कराया।

क्विज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

कौशाम्बी। मिशन प्रेरणा की ई पाठशाला की एक अति महत्वपूर्ण कड़ी के क्रम में प्रत्येक शनिवार की भांति शनिवार को उच्च प्राथमिक विद्यालय खरौना में कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों से क्विज अभ्यास करवाते हुए ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता करवाई गई। तदोपरान्त गांव जाकर नुक्कड़ पाठशाला में बच्चों को एकत्रित करते हुए आजादी की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत असहयोग आन्दोलन , चौरी चौरा की घटना एवम् प्रमुख स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पर चित्रकला व निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित कराई गई।

पहली बार पूरी तरह नि:शुल्क रहेगी कंपार्टमेंट परीक्षा

15 अगस्त तक फार्म भरने का मौका, स्कूल से करना होगा आवेदन

कौशाम्बी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओर से बोर्ड परीक्षा में कुछ विषयों में कम अंक पाने वाले विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है। इस बार कंपार्टमेंट के दायरे में आने वाले विद्यार्थियों इसके लिए कोई शुल्क नहीं देना पड़ेगा। मतलब कंपार्टमेंट परीक्षा विद्यार्थियों के लिए पूरी तरह निशुल्क रहेगी। परीक्षा के लिए 15 अगस्त तक आवेदन का मौका है। इस बीच विद्यार्थी को अपने संबंधित स्कूल के माध्यम से कंपार्टमेंट के लिए आवेदन करना होगा। वहीं स्कूल को सीबीएसई की वेबसाइट पर जाकर समय रहते विद्यार्थी की कंपार्टमेंट परीक्षा के लिए आवेदन करना होगा। सीबीएसई के सिटी को आर्डिनेटर जावेद आलम ने बताया कि नियमित विद्यार्थियों के लिए इस बार सीबीएसई ने कंपार्टमेंट परीक्षा को पूरी तरह निशुल्क कर दिया है। उन्होंने बताया कि परीक्षाएं 25 अगस्त से शुरू होंगी और सितंबर के मध्य तक चलेंगी। बोर्ड की तरफ से परीक्षा का शेड्यूल अभी जारी नहीं किया गया है।

वृद्ध महिला की इलाज के दौरान गई जान

आजमगढ़। रानी की सराय थाना क्षेत्र के सोनवारा मोड़ पर चार दिन पूर्व बाइक के धक्के से घायल महिला की शुक्रवार की सुबह मंडलीय जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत की खबर सुनते ही स्वजन में कोहराम मच गया। रानी की सराय थाना क्षेत्र के चकसेठवल गांव निवासी देवराजी पत्नी स्व.रामधारी चार दिन पूर्व सोनवारा मोड़ पर अपना खेत देखकर वापस घर लौट रही थीं

समस्याओं का निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता: जिलाधिकारी

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने समाधान दिवस के अवसर पर थाना पिपरी तथा थाना चरवा पहुंचकर जन शिकायतों को सुना

अर्ली न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार एवं पुलिस अधीक्षक राधेश्याम विश्वकर्मा ने समाधान दिवस के अवसर पर थाना पिपरी पहुंचकर जनसमस्याओं की सुनवाई की। समाधान दिवस के अवसर पर थाना पिपरी में कुल 06 शिकायतें दर्ज करायी गयी, जिनमें से 02 शिकायतों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया तथा 04 शिकायतों के तत्काल निस्तारण हेतु पुलिस एवं राजस्व की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर भेजकर समाधान कराने के निर्देश दिये है। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक थाना चरवा पहुंचकर जन समस्याओं की सुनवाई की। समाधान दिवस के अवसर पर थाना चरवा में कुल 11 शिकायतें दर्ज करायी गयी

जिनमें से 02 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष 09 शिकायतों के निस्तारण हेतु जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने राजस्व एंव पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर टीम को मौके पर जाकर शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारित करने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जन समस्याओं का निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता पर है, शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एंव समयबद्धता से निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदाशीनता न बरती जाये।

एनपीएस में न्यूनतम तय लाभ योजना की तैयारी

अर्ली न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) में निवेश अब और भी ज्यादा आकर्षक होने जा रहा है। पेंशन फंड नियामक पीएफआरडीए एनपीएस के तहत न्यूनतम तय रिटर्न योजना (मार्स) पर विचार कर रहा है। इस योजना के निवेशकों को न्यूनतम तय रिटर्न दिया जाएगा। जबकि मौजूदा समय में बाजार से जुड़े होने की वजह से एनपीएस में तय रिटर्न नहीं मिलता है। पीएफआरडीए ने अपने मसौदा प्रस्ताव में कहा है कि योजना के लिए वह परामर्शक नियुक्त करेगा।पीएफआरडीए के मसौदा प्रस्ताव के मुताबिक नई योजना कई मायनो में अलग और खास होगी। इसमें बाजार में मौजूद तय रिटर्न वाले निवेश विकल्पों से अधिक देने की पेशकश की जा सकती है। वहीं, निवेशकों की सुविधा के लिए कुछ शर्तों के साथ कभी भी बेचने की सुविधा भी मिल सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि तय ब्याज देने पर निवेशक उसकी तुलना सावधि जमा यानी एफडी से करेंगे। ऐसे में उससे ऊंचा ब्याज देना होगा। नई योजना में टैक्स छूट को लेकर कोई स्पष्टीकरण नहींवहीं, अधिक ब्याज की पेशकश करने पर बाजार में गिरावट आने की स्थिति में पीएफआरडी के लिए भुगतान मुश्किल हो सकता है।नई योजना में टैक्स छूट को लेकर कोई स्पष्टीकरण नहीं है। इसके बावजूद एनपीएस में निवेश पर मिल रही मौजूदा टैक्स छूट मिल सकती है। मौजूदा समय में आयकर की धारा 80सी के तहत एनपीएस में निवेश पर 1.50 लाख रुपये की टैक्स छूट ले सकते है। इसके अलावा एनपीएस में निवेश पर 50 हजार रुपये की अतिरिक्त टैक्स छूट भी मिलती है।पीएफआरडीए एनपीएस की जिस न्यूनतम तय रिटर्न योजना (मार्स) पर विचार कर रहा है उसमें परामर्शक की भूमिका काफी अहम है। परामर्शक को यह आकलन करना है कि निवेशकों के तय रिटर्न कैसे दिया जा सकता है। उनके दिए गए सुझाव के आधार पर पीएफआरडीए से जुड़े पंजीकृत पेंशन फंड योजना पेश कर सकेंगे।

ब्याज या अन्य लाभ पर विचार

पीएफआरडीए नई योजना को लेकर यह विचार कर रहा है कि उसमें निवेश पर तय ब्याज दिया जाए या अन्य तय लाभ दिया जाए। हालांकि, हर हाल में निवेशकों को तय रिटर्न देना इस योजना का मुख्य मकसद है। पीएफआरडीए का मकसद इस योजना को आकर्षक और सुविधाजनक बनाना है। बाजार से जुड़ी योजना में तय रिटर्न देने की चुनौती को देखकर ही नियामक ने परामर्शक नियुक्त करने की योजना बनाई है।

निवेश की अवधि तय होगी

पीएफआरडी इस योजना में निवेश की अवधि यानी लॉक-इन पीरियड तय करने पर भी विचार कर रहा है। यह दो साल या तीन साल या अन्य समय अवधि हो सकती है। इसकी कुछ शर्तें भी होंगी। तय समय से पहले निकालने के लिए कुछ शर्तें रखीं जा सकती हैं। वहीं अवधि पूरी होने पर राशि सीधे बैंक खाते में जाएगी।

स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत चित्रकला व क्विज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

बच्चों ने चित्रों के माध्यम से दिया स्वच्छता का संदेश

स्वच्छता के बारे में अपने ज्ञान को भी परखा

अर्ली न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। नेहरू युवा केंद्र के स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के तहत बच्चों के मध्य चित्रकला न क्विज प्रतियोगिता का आयोजन सिराथू ब्लाक के एनवाईवी ओम शंकर द्वारा किया गया । कार्यक्रम में बच्चों ने सुंदर कलाकृतियां बनाकर अपने पास-पड़ोस को स्वच्छ रखने का संदेश दिया। इस अवसर पर ओम शंकर ने कहा कि स्वच्छता एक क्रिया है जिससे हमारा शरीर, दिमाग, कपड़े, घर, आसपास और कार्यक्षेत्र साफ और शुद्ध रहते है। हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिये साफ-सफाई बेहद जरुरी है। अपने आसपास के क्षेत्रों और पर्यावरण की सफाई सामाजिक और बौद्धिक स्वास्थ्य के लिये बहुत जरुरी है। हमें साफ-सफाई को अपनी आदत में लाना चाहिये और कूड़े को हमेशा कूड़ेदान में ही डालना चाहिये, चाहिये क्योंकि गंदगी वह जड़ है जो कई बीमारियों को जन्म देती है। जो रोज नहीं नहाते, गंदे कपड़े पहनते हों, अपने घर या आसपास के वातावरण को गंदा रखते हैं, ऐसे लोग हमेशा बीमार रहते हैं। गंदगी से आसपास के क्षेत्रों में कई तरह के कीटाणु, बैक्टीरिया वाइरस तथा फंगस आदि पैदा होते हैं जो बीमारियों को जन्म देते हैं। बच्चों ने अपने चित्रों में प्लास्टिक मुक्त भारत का भी संदेश दिया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट छाया चित्र बनाने व क्विज प्रतियोगिता में अव्वल आने वाले प्रतिभागियों को स्वच्छता पखवाड़ा के समापन के अवसर पर नेहरू युवा केंद्र कौशांबी की जिला समन्वयक शमीम बेगम द्वारा सम्मानित भी किया जाएगा।

क्षेत्र की खुशहाली के लिए विधायक ने किया भगवान शिव का किया अभिषेक

पंडित दिगंबर महाराज जी के मंत्र उच्चारण से गूंजा बउखरनाथ शिवालय।

सरसवां/कौशांबी। पूरबसरांवा में बउखर नाथ स्वामी जी महाराज के आश्रम में स्थित भगवान भोलेनाथ जी का विधि विधान से सदर विधायक लाल बहादुर ने रुद्राअभिषेक कर महामारी एवं क्षेत्र की खुशहाली हेतु भगवान शिव से प्रार्थना किया।। इस अवसर में जिला उपाध्यक्ष अजय पांडे, मंडल अध्यक्ष सरसवां बृजेश मिश्रा, पश्चिम शरीरा मंडल अध्यक्ष भास्कर सिंह, मंझनपुर मंडल अध्यक्ष महेश लोधी , म्योहर मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, करारी मंडल अध्यक्ष दिलीप अग्रहरी,ब्लाक प्रमुख अमर सिंह,ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अकबर सिंह, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि दिनेश सिंह, ग्राम प्रधान पूरबसरांवा मनोज सिंह, आईटी प्रमुख सरसवां रोहित पांडेय, राजीव तिवारी, तिलक नारायण द्विवेदी,सेक्टर अध्यक्ष लाल बाबू द्विवेदी, गुड्डू तिवारी, मंडल उपाध्यक्ष प्रकाश पांडेय,जिला मंत्री दिनेश पांडेय, किसान मोर्चा मंडल उपाध्यक्ष अंगद सिंह , लाल मणि,कल्लू सिंह, मनमोहन सिंह, आदर्श त्रिपाठी आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

बीएसए व बीईओ भी देंगे परीक्षा, कामकाज का पैमाना तय

अर्ली न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। बेसिक स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र-छात्रएं ही परीक्षा नहीं देते, बल्कि स्कूलों की निगरानी करने वाले अफसरों को भी इम्तिहान से दो चार होना पड़ेगा। शासन ने बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) व खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) के कामकाज का पैमाना तय कर दिया है, विभिन्न योजनाओं व अन्य कार्यो के आधार पर उन्हें अंक मिलेंगे। 50 फीसद से कम अंक होने पर वे अनुत्तीर्ण माने जाएंगे, जबकि 80 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल होने पर उत्कृष्ट का तमगा भी मिलेगा। यह अंक उनकी पदोन्नति और अहम जगहों पर तैनाती पाने में देखे जाएंगे।

सरकार का बेसिक शिक्षा की दशा सुधारने पर विशेष जोर है। इसी के तहत आपरेशन कायाकल्प चलाकर स्कूलों को संवारा गया है। शिक्षकों की नियुक्ति करने व छात्रों का नामांकन बढ़ाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। केंद्र व राज्य सरकार स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को सुविधाएं देने के लिए कई योजनाएं चला रही है। उनकी प्रगति जांचने के लिए शासन को अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ती है। इन्हें लागू करने का जिम्मा बेसिक शिक्षा अधिकारी व खंड शिक्षा अधिकारी पर ही है।

कई बार आदेश जारी होने के बाद भी उनका पालन नहीं होता या फिर जैसे-तैसे उसे पूरा कर दिया जाता है। योजनाओं को प्रभावी तरीके से स्कूलों में लागू करने के लिए शासन ने कार्य दक्षता संकेतक तय किया था। अब इसमें बदलाव करके नए सिरे से लागू कराया जा रहा है। विशेष सचिव आरवी सिंह की ओर से जारी आदेश में इन संकेतकों को गोपनीय आख्या से जोड़ा जा रहा है, ताकि अधिकारी इस पर गंभीर रहें।

गोमती नदी का जलस्तर खतरे के निशान से पार

जौनपुर। गोमती नदी का जलस्तर बढ़ने लगा है। केराकत में नदी का जलस्तर शुक्रवार को खतरे का निशान पार कर गया। इसके साथ ही जौनपुर नगर के पचहटिया स्थित सूरज घाट की सीढिघ्यां डूब गई हैं। पानी बस्तियों की ओर भी बढ़ने लगा है। नदी किनारे के मक्के के खेतों में पानी पहुंचने लगा है। इससे जंगली जानवर वनसूअर व नीलगाय रिहायशी इलाकों की तरफ बढ़ने लगे हैं। इससे किसानों व तटवर्ती लोगों की मुसीबतें बढ़ने लगी हैं। नगर में नदी का जलस्तर 14 फीट के ऊपर पहुंच जाने से बलुआघाट, कटघरा, पानदरीबा क्षेत्र के कुछ इलाकों में पानी पहुंच गया है जिससे लोगों की परेशानी बढ़ने लगी है। गंगा के दबाव के चलते गोमती का पानी अब खतरे के निशान को पार कर दस सेंटीमीटर ऊपर से बह रहा है। यहां अब नदी का जलस्तर प्रति घंटे एक सेंटीमीटर की रफ्तार से बढ़ रहा है। नगर के अधिकतर अंत्येष्टि स्थल जलधारा में समा गए हैं। लोगों को अंत्येष्टि अब सड़क पर ही करनी पड़ रही है। पशुओं के लिए चारा की समस्या हो गई है। गोमती नदी के बाढ़ से प्रभावित बरइछ गांव, चंदवक घाट के निचले हिस्सों में पानी घुस गया है और लोगों को आने जाने में परेशानी हो रही है। बाढ़ प्रभावित लोगों की देख रेख प्रधान गीता यादव व खंड विकास अधिकारी डा. छोटेलाल तिवारी कर रहे हैं। बाढ़ प्रभावितों के तत्काल पुनर्वास की व्यवस्था प्राथमिक विद्यालय में की गई। बाढ़ प्रभावित बरमलपुर, बलुई, बरौटी, चवरवर बरहपुर, चैबेपुर आदि गांवों के किसानों की धान व अन्य फसलें डूब कर समाप्त हो चुकी हैं। केराकत क्षेत्र में गोमती नदी के तटीय इलाके सरोजबड़ेवर, नोनमठिया, भितरी, गोपालपुर, जोखुवाना, चकरारेत, नरहन, मसौड़ा, बेहड़ा, फुटहिया पार, गोबरा, महादेवा सिहौली, सरौनी, पसेंवा आदि गांवों में पानी आ चुका है। नदी के किनारे रहने वाले अब सुरक्षित ठिकानों की तलाश में हैं। केराकत व चंदवक के कई गावों में लगभग सैकड़ों एकड़ फसल जलमग्न हो चुकी है।

दो ट्रेलर की टक्कर में चालक की मौत

सोनभद्र। अनपरा थाना अंतर्गत औड़ी-रेणुकूट राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुरुवार की रात ग्राम बैरपान के समीप कोल परिवहन में लगे दो ट्रेलर आमने-सामने टकरा गए। इस टक्कर में एक चालक की मौत हो गई।

बढ़ौली चैराहा राबष्ट्र्सगंज निवासी मोहन (40) पुत्र उमाशंकर रेणुसागर कोलगेट पर रहते थे। वह कोल परिवहन में लगे ट्रेलर पर चालक थे। गुरुवार की रात रेणुकूट में कोयला खाली कर चालक मोहन ट्रेलर को ग्राम बैरपान में सड़क के किनारे खड़ा कर केबिन में सो रहे थे। अनपरा की ओर से कोयला लेकर जा रही एक ट्रेलर ने खड़े ट्रेलर में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तीव्र थी कि दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।केबिन में सो रहे मोहन टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोगों ने स्थानीय पुलिस को सूचना दी।

करेंट से महिला झुलसी, हालत गंभीर

अर्ली न्यूज नेटवर्क

बलिया। शहर से सटे सहरसपाली निवासी सीमा देवी पत्नी मुकेश मौर्या बिजली की चपेट में आने से झुलस गईं। इसका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। ग्रामीणों ने घटना के लिये सीधे तौर पर बिजली विभाग को जिम्मेदार ठहराया है। शुक्रवार की सुबह मुकेश मौर्या किसी काम के लिए अपनी पत्नी सीमा देवी से डंडा मांगें। पत्नी लोहे की छड़ उठाकर जैसे ही देने की कोशिश की, छड़ का एक सिरा छत के पास से गुजर रहे हाईटेंशन तार के संपर्क में आ गया। करेंट की चपेट में आने से वह झुलस गयी। आरोप है कि बार-बार मांग के बाद भी बिजली विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों ने न तो तार हटाया न ही तार में पाइप लगाया।

अभावग्रस्त महिलाओं के चेहरे पर मुस्कान लाना मुख्य उद्देश्य

अर्ली न्यूज नेटवर्क

सोनभद्र।गरीब,जरूरतमंद व अभावग्रस्त महिलाओं के चेहरों पर मुस्कान लाना ही क्लब का धर्म है। इस दिशा में इनरव्हील क्लब बड़े ही मनोयोग व तन्मयता के साथ कार्य कर रही है। उक्त बातें इनरव्हील क्लब की डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन अर्चना वाजपेयी ने अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए कही। कहा कि दुद्धी इनरव्हील क्लब की वर्तमान अध्यक्ष तारा जायसवाल की टीम बखूबी अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन कर रही है। उन्होंने आगे भी छोटी छोटी योजनाएं बनाकर, गरीब व जरूरतमंदों की सेवा करने की अपील की।समाजसेवी वरिष्ठ चिकित्सक डा. लवकुश प्रजापति ने समाजसेवा में इनरव्हील क्लब की महिला सदस्यों के योगदान की प्रशंसा की। वरिष्ठ चिकित्सक ब्लड बैंक प्रभारी डा.प्रकाश चंद्र जायसवाल ने कहा कि संस्था की बहनें जनहित की कई कार्य कर रही हैं, जो गर्व की बात है। डा. मिथिलेश ने सरकारी हास्पिटल में क्लब की ओर से की जाने वाली कार्यक्रमों की प्रशंसा की।रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष रविद्र जायसवाल ने भी संस्था पर विस्तार से प्रकाश डाला।क्लब की सेक्रेटरी मनोरमा जायसवाल ने वर्ष भर की गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। क्लब की अध्यक्ष तारा जायसवाल ने डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन समेत सभी अतिथियों का आभार जताया।गुड वर्क पुस्तिका का विमोचन डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन ने किया।वनवासी सेवा आश्रम के दुद्धी छात्रावास में बच्चों में मच्छरदानी वितरित की गई। इस मौके पर संतोष जायसवाल, राखी जायसवाल, माधवी जायसवाल, लीना जायसवाल, कुसुम गुप्ता, अनुपमा जायसवाल, लता, चिता, रेणु कनौजिया, स्वाति, कृष्णा, लक्ष्मी मींच, अमिता वर्मा उपस्थित रहीं।

प्रबंधन की गलत नीतियों के विरोध में मुखर हुए स्वर, करेंगे आंदोलन

अर्ली न्यूज नेटवर्क

सोनभद्र।ऊर्जा प्रबंधन की गलत नीतियों के विरोध में शुक्रवार को अवर अभियंताओं ने अपनी आवाज बुलंद की। दो टूक कहा कि प्रबंधन की नीतियों व शोषण के विरोध में कभी भी आंदोलन का रास्ता अख्तियार किया जा सकता है।ओबरा पहुंचे उत्तर प्रदेश जूनियर इंजीनियर संगठन के केंद्रीय महासचिव ई. जयप्रकाश ने कहा कि ऊर्जा प्रबंधन की संवेदनहीनता और उपेक्षापूर्ण रवैये से प्रदेश भर के जूनियर इंजीनियर, प्रोन्नत अभियंताओं में व्यापक रोष व्याप्त है। भारी पैमाने पर जूनियर इंजीनियरों की कमी के सात वेतन विसंगतियों ने चिता बढ़ा दी है।स्थानीय संगठन सभागार में आयोजित आम सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी को एकजुट रहना है। किसी भी समय प्रबंधन की गलत नीतियों, उसके शोषण के विरुद्ध आंदोलन हो सकता है। आंदोलनों में शत प्रतिशत भागीदारी करने का आह्वान किया। इससे पहले केंद्रीय महासचिव एवं केंद्रीय उप महासचिव ई.नीरज बिद व प्रांतीय अध्यक्ष उत्पादन निगम ई. आरजी सिंह का भव्य स्वागत किया गया।सभा के दौरान अवर अभियंताओं की भर्ती शुरू कराने की मांग की गई ताकि अत्यधिक कार्य के बोझ को दूर किया जा सके। वक्ताओं ने कहा कि अवर अभियंता की द्वितीय एवं तृतीय समयबद्ध वेतनमान की वेतन पर्ची जारी करने संबंधी आदेश अविलंब निर्गत किए जाएं। परियोजना परिसर में रह रहे कर्मचारियों के हित में दम तोड़ रही सड़क, आवास, विद्युत, चिकित्सकीय सुविधा को पुनर्जीवित करने हेतु आवश्यक फण्ड जारी किया जाय। आमसभा के ठीक बाद शाखा ओबरा के संरक्षक स्व. केएस सिंह के स्मृति में उनके छायाचित्र का अनावरण केंद्रीय महासचिव ने किया।इस दौरान सेवानिवृत्त अभियंता सत्यदेव सिंह, महेश यादव, वीके धीमान को सम्मानित किया गया। अध्यक्षता अभय प्रताप सिंह तथा संचालन ओपी पाल ने किया। संघर्ष समिति के अन्य घटकों के बीएन सिंह, अंकित प्रकाश, शशिकांत श्रीवास्तव, शाहिद अख्तर, रामयज्ञ मौर्य, नरसिंह त्रिपाठी, योगेंद्र प्रसाद, पशुपति विश्वकर्मा, प्रभात पांडेय, लालचंद, दिनेश चैरसिया, सुनील ठाकुर, अम्बुज, दीपक सिंह, दिनेश यादव, सत्यप्रकाश, प्रहलाद शर्मा आदि मौजूद रहे।

विधि-विधान से पूजे गए नागदेवता, चढ़ा दूध लावा

जौनपुर। नागपंचमी पर शुक्रवार को आस्थावानों ने विधि-विधान से नागदेवता की पूजा कर कुशल मंगल की कामना की। मंदिरों व घरों में नागदेवता की प्रसन्नता के लिए गाय का दूध व धान का लावा चढ़ाया गया। शिवालयों में जलाभिषेक, मंदिर व घरों में रुद्राभिषेक के साथ नागराज का पूजन कर पुण्य लाभ की कामना की गई। ग्रामीण क्षेत्रों में भी उत्साह के साथ मनाए गए इस पर्व पर जगह-जगह कुश्ती दंगल व कबड्डी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।शीतला चैकियां धाम में नागपंचमी पर हर्षोल्लास संग नाग देवता के पूजन-अर्चन के बाद शिवालयों में जलाभिषेक किया गया। परंपरानुसार नाग देवता की पूजा के साथ ही चैकियां धाम स्थित डीह बाबा मंदिर पर भक्तों ने हवन किया। पंडित हरिहरदत्त तिवारी ने डीह बाबा मंदिर में आ रहे भक्तों से यज्ञ में आहुति दिलवाया।बीबीगंज चैकी क्षेत्र के कुड़ियारी गांव में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें आसपास के गांवों से आई टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कुड़ियारी व द्वितीय स्थान छभवां की टीम ने प्राप्त किया। पहला मुकाबला चकहकीमी और चैकिया के बीच खेला गया। इसमें चकहकीमी की टीम विजेता रही। दूसरा मुकाबला कुड़ियारी और चकहकीमी के बीच खेला गया। जिसमें कुड़ियारी की टीम विजेता रही। प्रतियोगिता में गोड़िला, छभवां, शिवराजपुर, गोल्हागौर, मदरहा, चक हकीमी, ताखा पश्चिम शिवपुर आदि गावों से आई टीमों में रोमांचक मुकाबला हुआ। इस मौके पर दीपक जायसवाल, राहुल जायसवाल, अनूप जायसवाल, ललित सोनी, शिवकुमार सोनी, मोहन यादव, आलोक सिंह, शुभम पांडेय, शुभम सिंह, रत्नेश सिंह आदि ने प्रतिभाग किया।गौराबादशाहपुर क्षेत्र के सरसौडा गांव स्थित प्रसिद्ध रायमान बाबा मंदिर पर मेले का आयोजन किया गया। वहां पहुंचे लोगों ने दर्शन-पूजन किया। मान्यता है कि नागपंचमी के दिन इस मंदिर पर पूजा करने तथा हलुआ पूड़ी चढ़ाने वाले को वर्ष भर सांपों का भय नहीं होता। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं ने भारी संख्या में पहुंचकर कड़ाही भी चढाई।

दौड़ प्रतियोगिता में चंदन व लंबी कूद में सोनू ने लहराया परचम

अर्ली न्यूज नेटवर्क

बलिया। नाग पंचमी के अवसर पर स्थानीय कस्बा क्षेत्र के पड़वार गांव में श्री जंगली बाबा आदर्श युवा कमेटी के तत्वावधान में शुक्रवार को दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सोहांव ब्लाक के प्रमुख प्रतिनिधि वंशीधर यादव ने झंडी दिखाकर किया। 1600 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में गाजीपुर जनपद के चंदन राजभर ने प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं गाजीपुर के ही कासिमाबाद निवासी प्रद्युम्न राजभर ने द्वितीय स्थान एवं रुपवार निवासी सत्या कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लंबी कूद में हथौड़ी निवासी सोनू कुमार ने 22 फीट की लंबी छलांग लगाकर प्रतियोगिता में परचम लहराया।

मुख्य अतिथि श्री वंशीधर यादव ने प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार, अंगवस्त्रम एवं आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस मौके पर अजीत यादव, छात्र नेता अशोक बाबू यादव, कृष्णा यादव, अमित तिवारी, राजमंगल यादव, पंकज, राज साहनी, रवि पटेल, धीरज कश्यप आदि मौजूद थे। अध्यक्षता पूर्व जिला पंचायत सदस्य वीरेंद्र पासवान व संचालन मिथिलेश यादव ने किया।

युवा मंडलों ने मंगल पांडेय स्मारक परिसर में चलाया स्वच्छता अभियान

बलिया। नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा समन्वयक अतुल शर्मा के दिशा निर्देश में आजादी की 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम अंतर्गत स्वच्छता, संगोष्ठी ,स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन मंगल पांडेय स्मारक परिसर में किया गया। नेहरू युवा केंद्र के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों तथा विभिन्न युवा मंडलों के सदस्यों ने स्मारक परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। इस अवसर पर नगवा के प्रधान प्रतिनिधि भुवनेश्वर पासवान ने कहा कि स्वच्छता जीवन का मूल आधार है। नमामि गंगे के परियोजना अधिकारी सलभ उपाध्याय ने कहा कि हम अपने आप को सौभाग्यशाली मानते हैं

RNI NO-UPHIN/2013/50533

समय के साथ

अर्ली न्यूज़

Early News

हिन्दी दैनिक

वर्ष : 09 | अंक :95 | www. earlynews.in | लखनऊ, 15 अगस्त रविवार | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2: 00 रुपए

कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या - 32156493 ठीक हुए मरीजों की संख्या - 31338088 कुल मौतें -430762

वेबसाईट और E-Paper पढ़ने के लिए QR कोड स्कैन करें

बंटवारे के दर्द को कभी नहीं भुलाया जा सकता -पीएम मोदी

14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाने का किया ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत को अंग्रेजों से 15 अगस्त को मिली आजादी के एक दिन पहले 14 अगस्त को पाकिस्तान एक अलग देश बन गया था। इस दौरान हुए विभाजन में काफी दंगे हुए। लाखों लोगों को अपना घर-बार छोड़ना पड़ा, जमीन जायदाद सबकुछ छोड़ना पड़ा। यहां तक की लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। इस बीच शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एलान किया कि 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के तौर पर मनाने का निर्णय लिया गया है। पीएम मोदी ने 14 अगस्त को याद करते हुए लिखा, 'देश के बंटवारे के दर्द को कभी भुलाया नहीं जा सकता। नफरत और हिंसा की वजह से हमारे लाखों बहनों और भाइयों को विस्थापित होना पड़ा और अपनी जान तक गंवानी पड़ी। उन लोगों के संघर्ष और बलिदान की याद में 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के तौर पर मनाने का निर्णय लिया गया है।' प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा, 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का यह दिन हमें भेदभाव, वैमनस्य और दुर्भावना के जहर को खत्म करने के लिए न केवल प्रेरित करेगा, बल्कि इससे एकता, सामाजिक सद्भाव और मानवीय संवेदनाएं भी मजबूत होंगी।' बता दें कि भारत पाकिस्तान बंटवारे की त्रासदी सदियों तक याद रखी जाएगी। बीसवीं सदी के सबसे बड़ी घटनाओं में से एक थी ये। बंटवारे के समय हुए दंगों में लाखों लोग मारे गए थे। अंग्रजों से लड़ते लड़ते आपस में लड़ बैठे थे। इस लड़ाई में महिलाओं ने सबसे अधिक दर्द झेला। पाकिस्तान में हिंदुओं व सिखों के घरों व जमीनों पर मुसलमानों ने कब्जा कर लिया था। पाकिस्तान छोड़कर भारत चले जाने की नसीहत दी जाती थी और अपनी जमीन छोड़कर ना जाने वालों को मार दिया जाता था। वहीं, भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल यानी 15 अगस्त को अमृत महोत्सव मनाए जाना की योजना पूरे देश में अनेक-अनेक कार्यक्रमों के रूप में शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पहले भारत-पाकिस्तान बंटवारे को याद किया। उन्होंने कहा कि देश के बंटवारे के दौरान लोगों को जो दर्द सहना पड़ा उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि नफरत हिंसा की वजह से हमारे लाखों बहनों भाइयों को विस्थापित होना पड़ा अपनी जान तक गंवानी पड़ी। प्रधानमंत्री मोदी ने इसके साथ ही 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाने का भी ऐलान किया है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि यह दिन हमें सामाजिक विभाजन, असामंजस्य के जहर को दूर करने एकता, सामाजिक सद्भाव मानव सशक्तिकरण की भावना को मजबूत करने की आवश्यकता की याद दिलाता रहे। पीएम मोदी ने ट्वीट किया कि यह दिन हमें सामाजिक विभाजन, असामंजस्य के जहर को दूर करने एकता, सामाजिक सद्भाव मानव सशक्तिकरण की भावना को मजबूत करने की आवश्यकता की याद दिलाता रहे। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर एक ट्वीट किया। उन्होंने लिखा बंटवारे के दर्द को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस दिन हमारी लाखों बहनें भाई बेघर हो गए थे नासमझ नफरत हिंसा के कारण कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। हमारे लोगों के संघर्षों बलिदानों की याद में 14 अगस्त 'विभाजन भयावह स्मृति दिवस' के रूप में मनाया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

सोनिया और राहुल ने असम कांग्रेस के नेताओं से की मुलाकात

गुवाहाटी । असम की राजनीतिक समस्याओं को लेकर प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्षा सोनिया गांधी और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की। असम की कलियाबोर संसदीय सीट से सांसद गौरव गोगोई ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने ट्वीट किया कि कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी और राहुल गांधी को ज्ञान और प्रेरणा भरे शब्दों के लिए आभार। असम में कांग्रेस पार्टी यह सुनिश्चित करेगी कि हमारा सुंदर राज्य सही रास्ते पर आगे बढ़े और संकीर्ण निहित स्वार्थों से गुमराह न हो। इस दौरान सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने नेताओं से विस्तृत चर्चा की। संभावना जताई जा रही है कि असम-मिजोरम सीमा विवाद पर भी चर्चा हुई है। हालांकि अभी ज्यादा जानकारियां नहीं मिल पाई हैं। पिछले कुछ समय से कांग्रेस का ट्विटर अकाउंट लॉक था।

अवकाश की सूचना

सभी सुधि पाठकों/विज्ञापनदाताओं को अर्ली न्यूज परिवार की तरफ से 75 वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई अर्ली न्यूज कार्यालय में आज दिनांक 15 अगस्त रविवार 2021 को अवकाश रहेगा तथा अगला अंक दिनांक 17 अगस्त 2021 को प्रकाशित होगा।

प्रबंधक

12वीं के स्टूडेंट ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के एक नामी स्कूल में पढ़ने वाले 12 वीं के स्टूडेंट ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। स्टूडेंट ने शीर्ष अदालत से गुहार लगाई है कि केंद्र सरकार और तमाम राज्य सरकारों को निर्देश दिया जाए कि वह कोरोना के मद्देनजर पर्याप्त सेफ्टी का इंतजाम कर स्कूलों को दोबारा खोलने के बारे में समय से फैसला लें। स्टूडेंट ने कहा है कि ऑनलाइन क्लास के कारण बच्चों के मनोविज्ञान पर विपरीत असर हो रहा है ऐसे में फिजिकल क्लास शुरू करने के बारे में फैसला टाइम बाउंड तरीके से लिया जाए। 17 साल के स्टूडेंट अमर प्रेम प्रकाश ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर केंद्र सरकार, तमाम राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को प्रतिवादी बनाया है और कहा है कि स्कूली स्टूडेंट को क्लास अटेंड करने से दूर रखा गया है। तमाम स्टूडेंट्स ऑनलाइन क्लास पर निर्भर हो गए हैं। याचिका में कहा गया है कि बड़ी संख्या में स्टूडेंट की जो भावना और सेंटिमेंट है उसके मद्देनजर पीआईएल दाखिल की गई है। याचिका में कहा गया है कि आर्थिक रूप से कमजोर और बेआवाज छात्रों को फिजिकल क्लास नहीं होने के कारण बुरे प्रभाव से गुजरना पड़ रहा है।

आम्रपाली के 9500 फ्लैटों की बुकिंग रद्द करने की प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आम्रपाली परियोजना के उन 9,500 से अधिक फ्लैटों की बुकिंग रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिन पर कोई दावा नहीं किया गया है या जिन्हें फर्जी व्यक्तियों के नाम पर बुक किया गया है या जो बेनामी संपत्ति हैं। इससे अटकी परियोजनाओं की फंडिंग में मदद मिलेगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह निर्देश देगा कि 9,538 खरीदारों को अपना पंजीकरण अपडेट करने और भुगतान करने के लिए 15 दिन का नोटिस जारी किया जाए, ऐसा नहीं करने पर इन इकाइयों को बिना बिका (अनसोल्ड) माना जाएगा और उनकी नीलामी की जाएगी। घर खरीदारों की ओर से पेश हुए वकील एम एल लाहोटी ने कहा कि घर खरीदारों ने पहले दिए गए एक नोट में कहा था कि न बिके फ्लैट और फर्जी नामों पर बुक किए गए फ्लैट, जिनकी फॉरेंसिक ऑडिट में पहचान की गयी है

10 साल पुराने डीजल वाहनों की रजिस्ट्रेशन रद्द करने संबंधी आदेश में संशोधन नहीं: एनजीटी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में 10 साल पुराने डीजल वाहनों का रजिस्ट्रेशन रद्द करने के अपने आदेश में संशोधन करने से इनकार कर दिया है। एनजीटी अध्यक्ष आदर्श कुमार गोयल की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि उसके आदेश के खिलाफ अपील को सुप्रीम कोर्ट पहले ही खारिज कर चुका है। पीठ ने कहा, जैसा कि 18 जुलाई, 2016 के आदेश में कहा गया है, दिल्ली-एनसीआर की सड़कों पर 10 साल से अधिक पुराने डीजल वाहनों को चलने की अनुमति नहीं देने के 7 अप्रैल, 2015 के आदेश के खिलाफ अपील को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया था।श उसने कहा, इन परिस्थितियों में, जिस संशोधन का अनुरोध किया गया है, वह समीक्षा की श्रेणी में आता है।

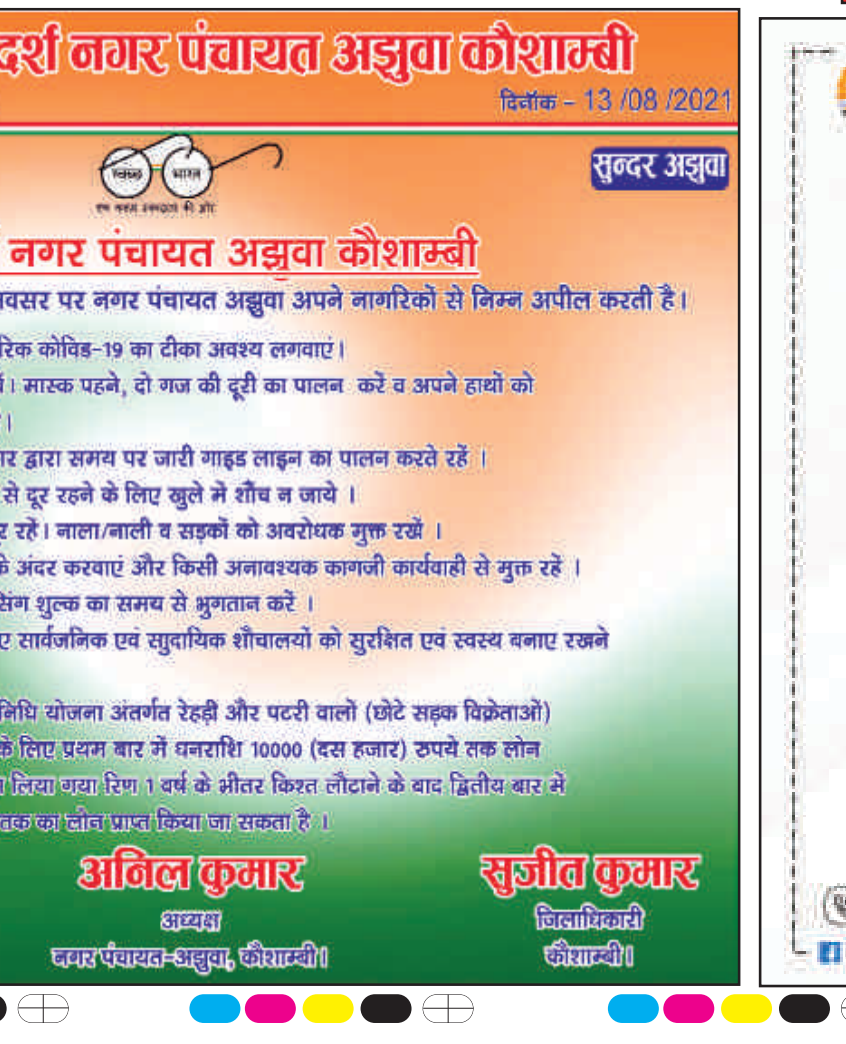

अर्ली न्यूज़
हिन्दी दैनिक
लखनऊ 15 अगस्त रविवार 2021
www.earlynews.in
सीतापुर/कुशीनगर/प्रतापगढ़/उन्नाव/देवरिया/गाजियाबाद

संक्षेप

बाढ़ पीड़ितों को फलों के पैकेट वितरित किए

हमीरपुर। यमुना बेतवा नदियों में आई भीषण बाढ़ से हमीरपुर जनपद के 90 गांव प्रभावित हुए जिला मुख्यालय के आसपास के 1दर्जन से अधिक गांव ज्यादा प्रभावित हुए हैं !बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए जिला प्रशासन व कई समाजसेवी कार्य कर रहे हैं !इसी क्रम में पिछड़ा वर्ग वित्त विकास निगम के अध्यक्ष व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री बाबूराम निषाद ने बीते रोज राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 34 मे टेंट आदि लगाकर रह रहे बाढ़ पीड़ितों को फल वितरित किए। उनके फल वितरण कार्यक्रम में अशोक तिवारी पूर्व क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी बुंदेलखंड, भाजपा जिलाध्यक्ष बृज किशोर गुप्ता,क्षेत्रीय महामंत्री पिछड़ा मोर्चा गणेश यादव,संतोष गुप्ता, हरप्रसाद निषाद,चंद्रशेखर निषाद, नगर अध्यक्ष वेद प्रकाश आर्य, समाजसेवी धर्मवीर,समाजसेवी विजय सिंह आदि लोगों ने फल वितरण कार्य में सहयोग प्रदान किया।दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री ने बेतवा पुल के पास बरसाती आदि लगाकर अस्थाई रूप से निवास कर रहे बाढ़ पीड़ितों को फलो के पैकेट वितरित किए।दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री बाबूराम निषाद ने बताया कि 2 दिन पूर्व उन्होंने बाढ़ पीड़ित क्षेत्र का दौरा किया था जहां उन्होंने देखा कि तमाम लोग कैम्प में बीमार पड़े हुए हैं उनके दिमाग में यह विचार आया कि इन लोगों को भोजन के रूप में ऐसी वस्तु या सामान दिया जाए जो बीमार व्यक्ति भी खा सकें उसके बाद उन्होंने फल वितरण कार्यक्रम रखा उन्होंने बताया कि बेतवा पुल के अलावा राठ रोड के ऊपर रह रहे तमाम बाढ़ पीड़ितों को फलो के पैकेट वितरित किए गए।इसके बाद उन्होंने राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुछेछा के बाढ़ पीड़ित शिविर में बाढ़ पीड़ितों को फलों का वितरण कराया।

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी 226 वी पुण्यतिथि मनाई

मथुरा। अहिल्याबाई होल्कर पार्क पर मनाई गई इसके मुख्य रूप से उपस्थित रहे मुख्य सेक्टर प्रभारी आगरा मंडल श्री सत्य प्रकाश कर्दम जी,सेक्टर प्रभारी आगरा मंडल मुख्त्यार सिंह गौतम पूर्व सेक्टर प्रभारी आगरा मंडल ओम प्रकाश बघेल पूर्व महानगर अध्यक्ष पवन बघेल जी एवं मुख्य अतिथि के द्वारा पाल बघेल समाज में हाई स्कूल में 94: लाने वाले पर भुवन बघेल को सम्मानित किया गया इस के शुभ अवसर पर जि ला सचिव राजेश बघेल पूर्व जिला महासचिव श्री वीरेंद्र परिहार जी जिला सचिव प्रभारी राजेंद्र कुमार सैनी महेंद्र पाल पूर्व जिला सचिव बलदेव बहुत ही तेज तर्रार श्री छत्रपाल नेताजी ग्राम प्रधान रावल श्री राजकुमार जी ग्राम प्रधान गांव गांझोली नाहर सिंह बघेल जयप्रकाश बघेल बबलू बघेल जी नरेंद्र बघेल जी अमित कुमार जी पूर्व विधानसभा अध्यक्ष जितेंद्र जी उमेश पाल योगेंद्र कुमार सेक्टर अध्यक्ष मथुरा कैंट लव कुमार जतेंद्र बघेल जी अनिल बघेल जिला पंचायत सदस्य मनीष कुमार प्रेम सिंह विधानसभा अध्यक्ष मार्ट डॉक्टर सागर विनोद कुमार जितेंद्र बघेल चैधरी मान सिंह बघेल भूपेंद्र चैधरी जी राजेंद्र बघेल संजय बघेल आदि सभी सम्मानित समाज के बंधु एवं बसपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस ने किया छुपकर रह रहे अफगानी नागरिक को गिरफ्तार

अर्ली न्यूज नेटवर्क

कुशीनगर। कुबेरस्थान थाने के गांव पिपरा जटामपुर में शनिवार में छापेमारी कर कुबेरस्थान पुलिस ने एक अफगानी नागरिक को गिरफ्तार किया। वह यहां बीते बीस दिनों से पहचान छिपाकर रह रहा था। एक सप्ताह से फर्जी नाम, पते पर आधार कार्ड बनवाने की कोशिश में लगा था। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। अफगानी नागरिक को शरण देने वाले को भी हिरासत में लिया गया है। पिपराजटामपुर गांव के फकरूद्दीन अंसारी के घर पर करीब बीस दिन से रह रहा युवक फर्जी नाम व पते के जरिये आधार कार्ड बनवाने की कोशिश कर रहा था। देखने से वह भारतीय प्रतीत नहीं हो रहा था। खबर मिलते ही पुलिस टीम ने छापेमारी कर संदि?ध युवक को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसकी पहचान 20 वर्षीय अहमद समीर निवासी नाहिए से देह मजागं काबुल, अफगानिस्तान के रूप में हुई। उसने बताया कि अफगानिस्तान में उपजे हालात से तंग आकर वह अप्रैल 2014 में छह माह के टूरिस्ट वीजा पर भारत आया। वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद अपने देश वापस न जाकर देश की राजधानी दिल्ली में इधर-उधर छिपकर रहने लगा। भारत का नागरिक बनने के लिए उसने दिल्ली के पते पर फर्जी आधारकार्ड भी बनवा लिया। दिल?ली में ही पड़ोस में रहने वाले कुशीनगर कुबेरस्थान थाने के गांव पिपराजटामपुर के फकरूद्दीन अंसारी के साथ उनके घर आया। यहां पर भी वह अपना आधार कार्ड बनवाने की तीन बार कोशिश की थी। अभी भी वह इस प्रयास में ही लगा हुआ था। एसपी सचिन्द्र पटेल ने बताया कि अफगानी नागरिक से कड़ाई से पूछताछ की जा रही है और मिली जनाकारी के आधार पर अन?य पहलू पर भी जांच की जा रही है। अब तक आतंकवाद से जुड़ा कोई त?य सामने नहीं आया है। उसके विरुद्ध फजीर्वाड़ा तथा 14 विदेशी अधिनियम 1946 में मुकदमा पंजीकृत कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। टूरिस्ट वीजा समाप्त होने के बाद वह कहां-कहां रहा और कौन-कौन लोग उसके संपर्क में रहे, यह भी पता किया जा रहा है। शरण देने वाले को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। युवक के पास 1 आधार कार्ड, 5 पासपोर्ट साइज की फोटो तथा एक मोबाइल बरामद हुआ है। गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना अध्यक्ष संजय कुमार, उप निरीक्षक दीनानाथ यादव, हेड कांस्टेबल इजहार खान, हृदयानंद सिंह आदि शामिल रहे।

एथलेटिक्स खिलाड़ियों को मिलेगी प्रोत्साहन राशि

अर्ली न्यूज नेटवर्क

कसया, कुशीनगर । कुशीनगर एथलेटिक्स एसोसिएशन की एक आवश्यक बैठक कुशीनगर के पथिक निवास पर संपन्न हुई। जिसमें कोरोना काल के बाद खेल शुरू होने तथा चरणबद्ध तरीके से कुशीनगर एथलेटिक्स का चयन करने पर विचार किया गया।

उक्त आशय की जानकारी देते हुए कुशीनगर एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव शुभम कुमार त्रिपाठी ने बताया कि कोरोना संक्रमण के चलते आर्थिक संकट का सामना कर रहे एथलेटिक्स खिलाड़ियों को मदद करने के लिए उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन की अपील के बाद अखिल भारतीय शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी स्मारक संस्थान फाजिलनगर ने आगे बढ़ने की पहल की है। उसके बाद उत्तर प्रदेश एथलेटिक्स एसोसिएशन के ज्वाईंट सेक्रेटरी व अवकाश प्राप्त आर.टी.ओ.अजय कुमार त्रिपाठी ने कहा कि कुशीनगर के 14 ब्लॉक में से पूरी पारदर्शिता के साथ चयनित कर एथलेटिक्स खिलाड़ियों को प्रदेश और देश में भेजा जाएगा। हर एक खिलाड़ी को खेल सर्टिफिकेट और मेडल भी दिया जाएगा। कुशीनगर में जो एथलेटिक्स खिलाड़ी जो कोरोना काल में लखनऊ हॉस्टल से घर आ गए हैं। उन खिलाड़ियों को अ.भा.शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी संस्थान की तरफ से हर महीने प्रोत्साहन राशि दिया जाएगा । कार्यक्रम को जेपी रावत, एमडीआई खान ने संबोधित किया । बैठक का संचालन सदस्य जिला पंचायत प्रतिनिधि व पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष राजन शुक्ला ने किया। इस दौरान अजय निगम, सफीउल्लाह अंसारी, मुकेश कुशवाहा उमेश रावत, राजकिशोर रावत, आजाद अंसारी गुड्डू चौहान,चंदन दुबे,सुनील प्रजापति, अभिनव द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

एपीओ की गाड़ी से घायल हुए मुसहरों से मिले विधायक रजनीकान्त मणि त्रिपाठी

सखवनिया कुशीनगर। पडरौना विकासखंड ग्राम सखवनिया बुजुर्ग के मुसहरी टोला में मंगलवार को आयोजित चौपाल में शामिल होने आए ब्लॉक एपीओ अरविंद कुशवाहा की गाड़ी अनियंत्रित होकर सुभाष मुसहर के घर में जा घुसी जिसमें रिहायशी झोपड़ी गिरकर 70 वर्षीय रामरती, 50 वर्षीय सिरजावती, 18 वर्ष सुशीला घायल हो गए। लेकिन सरकारी कर्मचारियों द्वारा किसी प्रकार की सहायता नहीं की गई। ग्राम प्रधान व कोटेदार द्वारा उनकी दवा कराई गई। जिसको सभी समाचार पत्रों ने प्रमुखता से छापा था। खबर को संज्ञान लेकर कुशीनगर विधायक सखवनिया बुजुर्ग मुसहर टोली पहुँचे और उनकी आर्थिक मदद की। एपीओ को भी उनके देखरेख करने के लिए हिदायत दिया। मुसहरों को विधायक ने अपना नंबर देकर कहा कि किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर फोन करें।

इस अवसर पर भिभूति चौहान, जयप्रकाश सिंह, देवेंदु मणि त्रिपाठी, दिप मिश्र, पवन पाण्डेय, अनिल शुक्ल, शशि मिश्र, अनिल मल्ल, ग्रामप्रधान रामाशंकर प्रसाद, हैप्पी मिश्र, पंचायत मित्र रामअवध प्रसाद, राजेश मिश्र, मोहम्मद हारुन प्रधान प्रतिनिधि सखवनिया खुर्द, ज्ञानदास, अमर नाथ पटेल आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

समाजसेवी राजेन्द्र बहादुर सिंह के निधन पर प्रमोद तिवारी हुए व्यथित, मोना ने जताई संवेदना

अर्ली न्यूज नेटवर्क

लालगंज प्रतापगढ़। केन्द्रीय कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य प्रमोद तिवारी तथा रामपुरखास की विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने रानीगंज कैथौला क्षेत्र के बोधी सिंह का पुरवा निवासी भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी राजेन्द्र बहादुर सिंह के आकस्मिक निधन पर गहरा दुख जताया है। शनिवार को बीमारी के चलते राजेन्द्र बहादुर सिंह का लखनऊ पीजीआई मे निधन हो गया। इसकी जानकारी होने पर व्यक्तिगत रूप से व्यथित एवं दुखी प्रमोद तिवारी ने कहा है कि स्वर्गीय राजेन्द्र बहादुर सिंह ने रामपुरखास मे उनके पहले चुनाव के बाद से ही लगातार उन्हें एक बड़े भाई के रूप मे अपना निश्छल और हृदयस्पर्शी आर्शीवाद मजबूती से दे रखा था। श्री तिवारी ने कहा कि उनके द्वारा रामपुरखास के विकास कार्यो का जिस तरह से चुनाव लडने के बावजूद भी स्व. राजेन्द्र सिंह ने जीवन के आखिरी क्षण तक सार्वजनिक मंचो तक पर समर्थन व स्नेह दिया, वह सदैव स्व. राजेन्द्र बहादुर सिंह की पवित्र स्मृति को लेकर अविस्मरणीय भाव संजोये रखेगा।

गौरतलब है कि स्व. राजेन्द्र बहादुर सिंह ने तत्कालीन जनसंघ से रामपुरखास विधानसभा मे 1980 मे चुनाव लड़ा और प्रमोद तिवारी से चुनाव मे पराजित हुये थे। चुनाव मे पराजय के बावजूद राजेन्द्र सिंह का प्रमोद तिवारी के प्रति सम्मान पूर्ववत बना रहा। लोगों को रानीगंज कैथौला क्षेत्र के बेनीपुर मधुकरपुर सरस्वती शिशु मंदिर के लगभग पांच छः वर्ष पूर्व हुए शैक्षणिक कार्यक्रम मे भी इसकी बानगी देखने को मिली थी। जब स्व. राजेन्द्र बहादुर सिंह ने प्रमोद तिवारी के साथ मंच साझा करते हुए उनसे मुखातिब होने के बाद क्षेत्रीयजनों के बीच खुलकर अपने विचार रखते हुए कहा था, हालांकि पहली बार चुनाव लडने पर प्रमोद तिवारी से हार मिलने पर पीड़ा जरूर हुई पर जिस तरह से अब वह रामपुरखास का यह गतिशील विकास देख रहे है, विकास के इतने बडे बडे कार्य देख अब उनके मन को संतुष्टि है कि वह भले चुनाव हार गये क्योंकि इतने बड़े स्तर पर इन विकास की योजनाओं को यहां ले आ पाना उनके लिए संभव न हो पाता...।इतना बोलने के बाद राजेन्द्र बहादुर सिंह ने प्रमोद तिवारी से गले मिलते हुए उन्हें विकास के क्षेत्र मे निजी और सार्वजनिक दोनो क्षेत्रो मे पूर्ण सहयोग का वचन भी दिया। शनिवार को प्रमोद तिवारी राजेन्द्र सिंह के निधन पर उनके निजी सम्बन्धों से जुडे संस्मरणों को याद करते हुए भावुक होते हुए कहा है कि स्व. राजेन्द्र सिंह ने सदैव मेरे बड़े भाई के रूप मे अपना आर्शीवाद देते रहे, उनका निधन मुझे व्यक्तिगत पीड़ा पहुंचा गई है। इधर राजेन्द्र बहादुर सिंह के निधन से रानीगंज कैथौला क्षेत्र मे भी शोक का माहौल देखा गया।

खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा हो रहा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम का क्रियान्वयन

अर्ली न्यूज नेटवर्क

कुशीनगर। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ए0 के0 पॉल ने बताया कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम का क्रियान्वयन उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा किया जा रहा है। उक्त योजना अंतर्गत अधिकतम रुपए 25 लाख तक का ऋण बैंक के माध्यम से उद्यम की स्थापना हेतु प्रदान किया जाता है। योजना में सामान्य वर्ग के पुरुष लाभार्थियों को प्रोजेक्ट कॉस्ट का 25% एवं आरक्षित वर्ग तथा महिला उद्यमियों का प्रोजेक्ट कॉस्ट का 35% मार्जिन मनी अनुदान की सुविधा अनुमन्य है। योजना अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों के वित्त पोषित इकाइयों को अधिकतम 13 प्रतिशत तक ब्याज उपादान की सुविधा 3 वर्ष तक दिए जाने का प्रावधान है। योजना अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन ही अनुमन्य है तथा कोई भी आवेदक ी वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। तथा वेबसाइट पर योजना के संबंध में संपूर्ण जानकारी उपलब्ध है। उक्त योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र में उनके स्थापना हेतु इच्छुक उद्यमी लाभार्थी ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित है। अधिक जानकारी हेतु जिला ग्रामोद्योग कार्यालय सपहा रोड नवल अकैडमी स्कूल के सामने कसया कुशीनगर में किसी कार्य दिवस में संपर्क कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री का हवाई दौरा हुआ हवा हवाई-सपा जिलाध्यक्ष

अर्ली न्यूज नेटवर्क

औरैया। स्थानीय इटावा रोड कोतवाली की आगे शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के कार्यालय पर एक प्रेसवार्ता की गई। जिसमें सपा जिलाध्यक्ष ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में माननीय मुख्यमंत्री के हवाई दौरा को हवा हवाई बताया।इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जनता को दी जाने वाली राहत सामग्री ऊंट के मुंह में जीरा साबित हुई है।कई गांवों में महिला व पुरुषों को जिले के आला अधिकारियों एवं सत्ताधारी दल से जुड़े नेताओं , मंत्रियों एवं विधायकों से मदद के नाम पर तीखी नोकझोंक भी करनी पड़ी।बाढ पीड़ितों ने अपनी व्यथा अधिकारियों के सामने रखी,जिस पर उन्हें झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी दी गई।कोतवाली एवं मंडी समिति के मध्य स्थित समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अवधेश भदौरिया के कार्यालय पर शुक्रवार को एक प्रेस वार्ता आहूत की गई।प्रेसवार्ता के दौरान समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष राजवीर सिंह यादव ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने अभी हाल ही में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई दौरा किया है जो हवा हवाई साबित हुआ है।इतना ही नहीं बाढ़ प्रभावित लोगों को जो राहत सामग्री उपलब्ध कराई गई है वह नाकाफी है।आगे कहा कि कई गावों की महिला व पुरुषों को जनपद के आला अधिकारियों एवं सत्ताधारी दल से जुड़े नेताओं मंत्रियों एवं विधायकों से मदद के नाम पर तीखी नोकझोंक भी करनी पड़ी है।जब पीड़ितों ने अपनी व्यथा अधिकारियों के सामने रखी तो उन्हें झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी गई। अधिकारियों के द्वारा ऐसा करना ठीक नहीं है।आगे उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री माननीय अखिलेश यादव के निर्देश पर जनपद औरैया की समाजवादी पार्टी ने अपने निजी संसाधनों से लगातार एक सप्ताह तक बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जाकर पीड़ित जनता के दुःख-दर्द को साझा किया एवं यथा संभव उन्हें राहत सामग्री उपलब्ध कराने का काम किया।इसके अलावा जिला समाजवादी पार्टी ने बाढ़ से घिरे लोगों के आवागमन के लिए नावें भी प्रदान की हैं। जिला समाजवादी पार्टी जिला प्रशासन से मांग करती है कि बाढ़ घिरे हुए मकानों,पशुओं के चारे की बाढ़ के बाद संक्रामक बीमारियां फैलने से रोकने की, अंधेरे में डूबे गांवों में रोशनी की व्यवस्था,सरकारी कर्ज,आमदनी व जीवन यापन के लिए पर्याप्त राशन की व्यवस्था की जाए। इसके अलावा पीने के लिए स्वच्छ पानी भी उपलब्ध कराया जाए।प्रेस वार्ता के दौरान प्रमुख रुप से समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद प्रदीप यादव,सपा के जिला महासचिव ओम प्रकाश ओझा,सपा के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष अवधेश भदौरिया, अजय तिवारी,जीतू पाठक व राजन चैहान के अलावा अन्य लोग शामिल रहे।

बेघर लोगों को आवास देने का आदेश

ग्रामीणों की शिकायत पर एसडीओ को फटकार

अर्ली न्यूज नेटवर्क

चकरनगर,इटावा। चकरनगर के बाढ़ प्रभवित आधा दर्जन गांवों के बाढ़ पीड़ितों का आयोग सदस्य कमल सिंह व सांसद सिद्धनाथ दंगल आयोजक के साथ दर्द जानने पहुंचे। बाढ़ पीडितों की शिकायत पर संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाते हुए तत्काल प्रभाव से जरूरत के सामान मुहैया कराने का आदेश दिया। घर घर सर्वे कर बेघर लोगों को आवास व ऊंचे स्थाने पर बसाने की बात कही। बाढ़ प्रभावित गांव के जर्जर विद्युत तारों को बदलने व आपूर्ति चालू कराने का आदेश दिया। शुक्रवार को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का सांसद डॉ राम शंकर कठेरिया बाबा सिद्धनाथ दंगल आयोजक आलोक दुबे के साथ बाढ़ पीड़ितों का हाल जानने पहुंचे। इस मौके पर कांयछी गांव के ग्रामीणों ने गांव के बाहर चकरनगर भरेह मार्ग पर गाड़ी के सामने खड़े होकर सांसद को रोक लिया। क्षतिग्रस्त पुलिया होने से टूटे संपर्क मार्ग से नाराज ग्रामीणों ने कहा कि अश्वासन के बाद भी सड़क मार्ग नहीं बन सका। सांसद ने जिलाधिकारी श्रुति सिंह से दूरभाष पर संपर्क कर उक्त गांव की क्षतिग्रस्त पुलिया को पीडब्ल्यूडी द्वारा तत्काल प्रभाव से मरम्मत कराने का आदेश दिया। सांसद काफिले के साथ गांव भरेह पहुंचे, यहां बाढ़ पीडितों की शिकायत पर गांव में फुके ट्रांसफार्मर को बदल कर एसडीएम को बड़ा ट्रांसफार्मर लगाने का आदेश दिया। इस मौके पर मौजूद एसडीएम सत्य प्रकाश को सौ पैकेट राहत सामग्री के बांटने एवं ग्रामीणों को भूसा मुहैया कराने का आदेश दिया। नोडल अधिकारी को डोर टू डोर सर्वे कर बेघर हुए लोगों को आवास देने का आदेश दिया। तदोपरांत सांसद बाढ़ प्रभावित गांव हरौली बहादुरपुर पहुंचे यहां ग्रामीणों की मांग पर राहत सामग्री के सवा सौ पैकिट और देने का आदेश दिया। गांव में दस दिन से बंद विद्युत आपूर्ति की शिकायत पर एसडीओ को फटकार लगाते हुए सभी गांवों में विद्युत आपूर्ति चालू कराने का आदेश दिया। इसी क्रम में खिरौटी, ककरैया व ढकरा गांव के ग्रामीणों की शिकायत सुनते हुए सांसद ने सभी बाढ़ प्रभावित गांव में तार बदलवाने का एसडीओ को आदेश दिया। इसी बीच ढकरा पुलिया पर पहुंचे सांसद ने मौके का जायजा लेते हुए पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को जल्द पुलिया का मरम्मत कार्य पूर्ण करने का आदेश दिया। निमार्णाधीन पुलिया से ही काफिले के साथ निकले सांसद ललूपुरा गांव जा रहे थे, इसी बीच रास्ते में बारिश होने लगी। ललूपुरा गांव का रास्ता कच्चा होने के कारण सांसद गांव नहीं पहुंच सके। इसके उपरांत बीच के गांव रामफल गढ़िया के ग्रामीणों की शिकायत सुनी। इसके उपरांत सांसद जंगल के गांव ललूपुरा पैदल चलकर पहुंचे और ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। उपरोक्त गांवों में बाढ़ पीडितों में बाबा सिद्धनाद दंगल आयोजक आलोक दुबे के द्वारा पांच सौ टार्च वितरण की गई। इस मौके पर मण्डल अध्यक्ष सतेंद्र राजावत, सिंडौस प्रधान सज्जन राजावत, आचार्य जी, रज्जन परिहार, राजेश परिहार, सुबोध पाठक मौजूद रहे। इधर प्रशासनिक अधिकारियों में एसडीएम सत्य प्रकाश, तहसीलदार यदुवीर सिंह सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। सांसद ने बाढ़ प्रभावित गांवों में सर्वे कर झुग्गी झोपड़ी से लेकर कच्चे व पक्के मकान गिरने से बेघर लोगों को आवास देने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के आदेश के मुताबिक एसडीएम को आदेश देते हुए कहा कि जो लोग तलहटी में बने घरों को छोड़ना चाहते हैं उन्हें ग्राम समाज में जगह देकर ऊपर बसाने का काम किया जाए।

ढाई सौ से अधिक बूथों पर होगा मेगा टीकाकरण

- 16 अगस्त को चलेगा टीकाकरण महाभियान
- कैम्प लगाकर 40 हजार लोगों का टीकाकरण करने की तैयारी

अर्ली न्यूज नेटवर्क

देवरिया। जिले में 16 अगस्त को चलने वाले मेगा टीकाकरण अभियान में ढाई सौ से अधिक बूथ लगाए जायेंगे है। इसके तहत एक दिन में 40 हजार लोगों को वैक्सीन लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए रविवार को ही वैक्सीन की डोज मिल गई है। आधी से अधिक लोगों का टीकाकरण हो सके इसके लिए कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। सीएमओ डॉ आलोक पाण्डेय ने बताया कि अधिक से अधिक लोगों का टीकाकरण हो सके इसके लिए तीन अगस्त को टीकाकरण का महा अभियान में अधिक से अधिक लोगों का टीकाकरण हो सका। इस अभियान बेहतर सफलता के बाद सरकार ने सप्ताह में दो दिन मेगा टीकाकरण अभियान चलने का फैसला लिया है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि 16 अगस्त को चलने वाले मेगा टीकाकरण के लिए जिले में अर्बन सहित 17 ब्लाकों में कुल 279 बूथ बनाये जायेंगे। सलेमपुर में 16 , बनकटा में 20, भाटपारानी में 27 , भटनी में 18 , लार में 19 , भागलपुर में 11 , बरहज में 18 , रुद्रपुर में 20 , गौरीबाजार में 14 , मझगवां में 11 , बैतालपुर में 12 , रामपुरकारखाना में 16 , देसई देवरिया 18 , तरकुलवा में 15 और अर्बन देवरिया में जिला अस्पताल, जिला महिला अस्पताल, नगरीय स्वास्थ्य केंद्र चकियवन, नगरीय स्वास्थ्य केंद्र रामनाथ देवरिया, नगरीय स्वास्थ्य केंद्र सोमनाथ, अबूबकर नगर वार्ड न. 23 , सोमनाथ नगर वार्ड न. 5 , आजाद नगर वार्ड न. 14 , राघव नगर वार्ड न. 7 , नइ बाजार वार्ड न. 18 , भटवालीय वार्ड न. 01 , गोरखनाथ टोला वार्ड न. 16 , बॉस देवरिया वार्ड न. 9 सहित 13 मेगा टीकाकरण बूथ बनाये जायेंगे । डॉ. सिंह ने बताया कि जिले में मेगा टीकाकरण चलाने के लिए कार्य योजना तैयार कर लिया गया है।

किसानों का अनोखा प्रदर्शन विभागों की चैखट पर रखा दूध

झांसी। दस दिन से आंदोलनरत किसान कृषि विभाग व सिंचाई विभाग पहुंचे नाग पंचमी पर विभागों की चैखट पर दूध रखकर आवाहन किया किसानों का हक नहीं दूध पियो।किसान रक्षा पार्टी के बैनर तले दस दिन से किसान आंदोलनरत हैं अधिकारियों द्वारा मांगों का संज्ञान न लेने पर विभागीय व राजनैतिज्ञों की चैखट पर दस्तक दे रहे हैं नाग पंचमी के दिन किसान नेता गौरीशंकर बिदुआ के नेतृत्व में मौन जुलूस के रूप में सिंचाई विभाग कार्यालय पहुंचे विभाग की चैखट पर दूध से भरा पात्र रखकर आवाहन किया कि किसानों का हक व खून न पीकर दूध पियो।इसके बाद किसान कृषि विभाग पहुंच इसी क्रिया को दोहराया किसानों को संबोधित करते हुए किसान नेता गौरीशंकर ने कहा आज नाग पंचमी के दिन अधिकारियों को दूध इसलिए पिलाया जा रहा है की यह नांग से ज्यादा जहरीले हैं नांग के डसने से एक व्यक्ति की मौत होती है लेकिन अधिकारियों के डसने से किसानों के घर परिवार तबाह हो रहे हैं सिंचाई विभाग में भ्रष्टाचार ना हो तो हर खेत तक पानी पहुंचता और किसान खुशहाल होता इनके भ्रष्टाचार के कारण ही किसान आत्महत्या व पलायन जैसे कदम उठा रहे हैं उत्तर प्रदेश में भ्रष्टाचार का मुख्यालय बुंदेलखंड है जिसका हेड ऑफिस बेतवा भवन है यदि सरकार निष्पक्ष व ईमानदारी से सिंचाई विभाग द्वारा तीन साल में कराए गए कार्यों की जांच करा ले तो कानून उन्हें आजीवन कारावास से कम सजा नहीं देगा आगामी कुछ दिनों बाद किसान रक्षा पार्टी जन सूचना अधिकार से प्राप्त जानकारी के आधार पर सिंचाई विभाग के काले कारनामों का पदार्फाश करेगी वहीं कृषि विभाग को लेकर किसान नेता गौरीशंकर विदुआ ने कहा कि सरकार द्वारा भेजी जा रही किसी भी योजना का लाभ किसानों तक नहीं पहुंच रहा सारा लाभ कृषि विभाग के अधिकारी खा रहे हैं

जिला प्रचारक विकास द्वारा झंडी दिखाकर अखंड भारत संकल्प दिवस तिरंगा यात्रा का शुभारंभ

अर्ली न्यूज नेटवर्क

बिसवां सीतापुर, अखंड भारत संकल्प दिवस तिरंगा यात्रा का आयोजन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यालय से प्रारंभ हुई। यात्रा का स्वागत जगह जगह फूल बरसा कर किया गया । तिरंगा यात्रा मोहल्ला झज्झर, बड़ा हनुमान मंदिर, बड़ा चौराहा, रायगंज, हजीरा रोड, सेठगंज, बदाल पुरवा, मंगरहिया बाजार, चिड़ीमारी टोला, एसजेडी तिराहा, शेख सराय, काजी टोला, जोशी टोला, लहरपुर रोड तिराहा, थवई टोला, नगर पालिका, पोस्टर चौराहा, शंकरगंज, रेलवे स्टेशन रोड होते हुए प्रताप शाखा शुगर फैक्ट्री के परिसर में समाप्त हुई। यहां भारत माता के चित्र पर कार्यकताओं की ओर से दीप प्रज्वलित किए गए। जिला प्रचारक विकास द्वारा झंडी दिखाकर यात्रा का शुभारंभ हुआ। प्राचीन भारत जिसकी सीमाएं हिंदूकुश पर्वत से जिला प्रचारक विकास द्वारा झंडी दिखाकर अखंड भारत संकल्प दिवस तिरंगा यात्रा का शुभारंभलेकर कन्याकुमारी तक फैली हुई है। 14 अगस्त सन 1947 को राजनीतिक पार्टियों की अदूरदर्शिता एवं विकट परिस्थितियों के कारण भारत का विभाजन किया गया। जिसे हम सभी ने कभी स्वीकार नहीं किया। वर्तमान में देश विरोधी ताकतें भारत की संस्कृति और अखंडता को खंड खंड करना चाहते हैं। आज भी हमारा अनवरत प्रयास यही है कि पुनः हमारा देश विखंडित ना हो और हम से टूट कर अलग हुए खंडों को हम वापस समायोजित करें। इसी जागरूकता के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस दिन को अखंड भारत संकल्प दिवस के रूप में मनाता चला रहा है। इस दौरान विमलेश अवस्थी, धर्मेंद्र रस्तोगी, राजन अग्रवाल, दीपक शुक्ला, राजेश सिंह, राकेश वर्मा, आशीष गुप्ता, किसान अग्रवाल, संजीव बाजपेई, चंदन रस्तोगी, प्रभाकर शुक्ला, सुधाकर शुक्ला, वरुण पांडेय, रोहित शुक्ला, सलिल सेट, विभूति अवस्थी,अनुराग पांडेय,आशीष मिश्रा, आकाश मिश्रा, विवेक अवस्थी, शुभम शुक्ला, पंकज त्रिवेदी, अरिंजय चौधरी अभिवीर चौधरी, पंकज शुक्ला, कौशल किशोर मिश्रा, सुशील शुक्ला, सचिन गुप्ता, गौरव अग्निहोत्री, राज किशोर मिश्रा, पीयूष मौर्या मौजूद रहे।

कोरोना की आड़ में पूरी एक पीढ़ी से खिलवाड़ कर रही सरकार

संपादकीय

डॉ. लखन चैधरी

शिक्षा, महिला, युवा, बाल एवं खेल मामलों की संसदीय समिति ने एक रिपोर्ट में महत्वपूर्ण और गंभीर टिप्पणी की है कि कोरोना महामारी के कारण पिछले सवा-डेढ़ साल से स्कूल बंद होने की वजह से बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य एवं सर्वांगीण विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। विशेषकर साधनहीन कमजोर वर्ग के बच्चों की गणित, विज्ञान एवं भाषा की पढ़ाई एवं मौलिक ज्ञान में कमी आई है। इधर इस सवा-डेढ़ साल में दुनियाभर की शिक्षा-स्वास्थ्य व्यवस्थाएं समेत अर्थव्यवस्थाएं तक लगभग पूरी तरह चरमरा चुकी हैं। दुनियाभर के दिग्गज और बड़े से बड़े विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाओं तक को कोरोना का ग्रहण लग चुका है। विकासदर के आंकड़े और सभी रेटिंग एजेंसियों की रिपोर्ट एवं अनुमान भी अब इस बात की पुष्टि करने में घबराहट अनुभव कर रहे हैं कि आखिरकार अर्थव्यवस्थाओं के हालात कैसे, कब एवं किस तरह सुधरेंगे? और दुनिया से इस कोरोना का खौफ कब जायेगा? वैसे तो इस समय पूरी अर्थव्यवस्थाओं को ही कोरोना का ग्रहण लग चुका है, लेकिन सबसे अधिक बुरी तरह प्रभावित कोई सेक्टर है तो वह शिक्षा का क्षेत्र। बुनियादी शिक्षा से लेकर उच्च एवं उच्चत्तर, तकनीकी, व्यावसायिक सभी प्रकार की शिक्षा व्यवस्था को बाकायदा सरकारों के द्वारा लगभग ठप कर दिया गया है। इन शैक्षणिक संस्थानों के लिए तरह-तरह के गाईडलाईन जारी कर रखे गये हैं। दुर्भाग्य की बात यह है कि कोरोना की आड़ लेकर शैक्षणिक संस्थानों को खोलने नहीं दिया जा रहा है लेकिन दूसरी ओर भारी महंगे ऑनलाईन कोचिंग कक्षाओं का तगड़ा धंधा एवं व्यवसाय चलाया जा रहा है। इस सारी कवायद में ग्रामीण क्षेत्र एवं मध्यमवर्गीय बच्चे प्रभावित हो रहे हैं, जिनकी इस समय चिंता या परवाह करने वाला इस देश में कोई नहीं है। शैक्षणिक संस्थानों को कोरोना संक्रमण से बचाने को लेकर राज्य सरकारों की चिंता प्रारंभिक नजर में सही लगती है। इस बात में दम भी लगता है कि सरकारें, विद्यार्थियों को संक्रमण से बचाने के लिए स्कूल-कॉलेज को खोलने का साहस नहीं कर पा रही हैं। जब-जब स्थितियां सामान्य होती दिखी हैं, तो शैक्षणिक संस्थानों को पूर्ववत संचालन के लिए तैयार करने की

कवायद भी हुई है। मगर किसी न किसी संस्थान में कभी कोई संक्रमण की घटनाएं होने से आनन-फानन में पूरे संस्थाओं को बंद करने जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति भी बार-बार देखने को मिल रही है। यहीं पर सवाल उठता है कि आखिरकार कोरोना का डर स्कूल-कॉलेज आदि शैक्षणिक संस्थानों पर ही क्यों लादा जा रहा है? राजनीतिक चुनावों में कोरोना संक्रमण फैलने की बातें क्यों नहीं होती है? शैक्षणिक संस्थानों पर कोरोना संक्रमण फैलने को लेकर मीडिया की भूमिका भी समझ से परे है? मीडिया या तो इस मसले पर जरूरत से अधिक हल्ला करती है या सही मुद्दे को उठाने में चूक कर रही है। पूरा का पूरा सत्र खराब हो गया, लेकिन अब तो आगामी सत्र को लेकर भी असमंजस की स्थिति बनने लगी है। अब तो साफ हो गया है कि अगला सत्र भी पूरी तरह से पटरी से उतर चुका है। ऐसे हालात में शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थानों को नहीं खोलकर कहीं ऐसा तो नहीं कि हमारी सरकारें नौनिहालों, युवाओं के साथ बहुत बड़ा अन्याय कर रहीं हैं? स्कूल-कॉलेज में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के साथ कहीं खिलवाड़ तो नहीं हो रहा या किया जा रहा है? सबसे बड़ा महत्वपूर्ण सवाल यह कि आने वाले दो-तीन सालों तक यदि इसी तरह चलता रहा तो क्या शिक्षण संस्थानों को इसी तरह बंद रखा जायेगा? देश के सभी नागरिकों को कोरोना का टीका लगाने में कई साल लगने वाले हैं, तो क्या तब तक के लिए स्कूल-कॉलेज बंद रहेंगे? यकीन मानिये, कोरोना का यह संक्रमण आने वाले कई सालों तक बल्कि इस दशक के अंत तक रहने वाला है, तब तक ऐसे में क्या-क्या इसी तरह चलेगा? क्या पूरी की पूरी पीढ़ी को हमारी सरकारें बर्बाद करना चाहती हैं? लोकतंत्र में लोग कब जागेंगे? पिछले कई महिनों से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही एक बहुत ही छोटी सी कविता है। बिल्कुल सटीक, बेहद मार्मिक। इस कविता की पंक्तियां कुछ इस प्रकार हैं- कल स्कूल में सब खुश थे, क्योंकि सारे बच्चे पास थे, जो आये, वो पास जो नहीं आये, वो भी पास, जिसने परीक्षा दी, वो पास॰ जिन्होंने नहीं दी, वो भी पास, सब खुश, बेहद खुश॰ बस दुखी था, तो वह अध्यापक, जो इनकी, इस खोखली नींव के भीतर, भविष्य में होने वोले॰ पतन को देख रहा था। क्या इस स्थिति के लिए हमारी सरकार जिम्मेदार नहीं है? यहां उच्च एवं उच्चत्तर शिक्षा के संबंध में विश्वविद्यालयों की भूमिका एवं योगदानों पर विमर्श को विस्तार देना भी जरूरी एवं जायज बनता है। यह बेहद महत्वपूर्ण इसलिए है, क्योंकि युवाओं के कॅरियर एवं रोजगार से लेकर किसी देश के विकास का सारा दारोमदार शिक्षा की गुणवत्ता पर निर्भर करता है। अक्सर इस स्थिति के लिए विश्वविद्यालयों के ऊपर बढ़ती राजनीतिक दखलंदाजी को जिम्मेदार माना जाता है, लेकिन यदि ऐसा है तो फिर विश्वविद्यालयों की प्रासंगिकता एवं सार्थकता पर सवाल उठना एवं उठाना चाहिए। कोरोना की आड़ लेकर इस समय हमारे देश की सरकारें अपने ही देश के मध्यमवर्गीय विद्यार्थियों एवं युवाओं की पूरी एक पीढ़ी के कॅरियर एवं जिंदगी के साथ ऐसा खिलवाड़ कर रही हैं, जिसके लिए यह पीढ़ी शायद इनको कभी माफ नहीं कर सकेगी।

डरा हुआ अगस्त

साल 2021 का आठवां महीना अगस्त आ गया। आना ही था, हर साल आता ही है। शासक शासितों पर लॉकडाउन थोप सकते हैं, वक्त पर नहीं। वक्त तो अपनी रफ्तार से चलता ही है, पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती ही है, और दिन-महीने-साल बीतते ही हैं। अगस्त आने का जिक्र इसलिए किया, क्योंकि इस महीने में भारतीयों का राष्ट्रवाद अपने उफान पर होता है। पहले अगस्त क्रांति यानी भारत छोड़ो आंदोलन की याद में भुजाएं फड़काई जाती हैं और उसके बाद स्वाधीनता का जश्न मनाया जाता है। और पिछले सात सालों से लाल किले से प्रधानमंत्री का भाषण त स्वाधीनता से भी बड़ा आयोजन बन गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने भाषणों में कौन सी नई घोषणाएं करते हैं, कौन से नए वादे करते हैं, कौन से नए दावे ठोंकते हैं और कौन से नए जुमले उछालते हैं, इसका विश्लेषण तो पत्रकार करते ही हैं। गोदी मीडिया बिरादरी के लोग कुछ और विस्तार में जाकर इस आयोजन की व्याख्या करते हैं, मसलन प्रधानमंत्री ने कौन से रंग का साफा पहना या पगड़ी पहनी और वो पिछले बार से किस तरह अलग थी। उस रंग से कौन सा स्टाइल स्टेटमेंट निकलता है। उनके हाव-भाव से पड़ोसी दुश्मन देश डरे होंगे या नहीं। प्रधानमंत्री ने बच्चों की ओर देखकर कितने बार हाथ हिलाया, उनके बीच किस तरह मिलने गए। ऐसी तमाम बातें स्वतंत्रता दिवस के महत्व से अधिक मायने रखने लगती हैं। आजादी के दिन को महज एक छुट्टी का दिन मानने वाले लोगों को भी ऐसी बातों में खूब रस आता है। इन लोगों को इस बात से शायद ही कोई फर्क पड़ता है कि जिस आजादी को असली खून और पसीना बहाकर हमारे पुरखों ने हासिल की, आज उस आजादी पर फिर से कितने तरह के जाल बिछा दिए गए हैं। यानी घोषित तौर पर, दुनिया के लिए हम आजाद हैं, लेकिन भीतर ही भीतर सत्तातंत्र की चालाकियों ने हमें कितने फंदों में जकड़ लिया है। हर पांच साल में मतदान केन्द्रों पर अपने मत का इस्तेमाल करना ही आजादी नहीं है। आजादी का मतलब तो बिना किसी डर या दबाव के अपने अधिकारों का उपयोग करना और उससे अधिक एक नागरिक के तौर पर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना है। आजादी का मतलब अपने जनप्रतिनिधियों से बेखौफ सवाल पूछना, उनसे उनकी जिम्मेदारियों का हिसाब-किताब लेना है। आजादी का मतलब बिना दूसरों को तकलीफ पहुंचाए, अपनी धार्मिक मान्यताओं का पालन करना, अपनी पसंद का खान-पान करना है। आजादी का मतलब जाति-धर्म की बेड़ियों से खुद को और समाज को मुक्त करना है। आजादी का मतलब कमजोरों, वंचितों, शोषितों और हाशिए के समुदायों को समाज की मुख्यधारा में लाना और उन्हें अधिकारों से संपन्न करना है। आजादी का मतलब अपने देश के बेहतर भविष्य के लिए बनाई जा रही योजनाओं में सक्रिय भागीदारी करना भी है। एक लोकतांत्रिक मुल्क के लिए तो कम से कम आजादी के यही सब मायने हैं, गुणीजन अपने विवेक से इस सूची को कुछ और बढ़ा सकते हैं। लेकिन इस कसौटी पर अगर हम आज की स्थितियों को परखें तो यही नजर आता है कि इस वक्त देश में आजादी से अधिक डर का माहौल है। अगस्त आते ही कुछ लोग स्वतंत्रता दिवस के बहाने राष्ट्रवाद का ऐसा शोर मचाते हैं कि लगता है मानो गुलामी का दंश केवल इन्होंने ही सहा है या केवल इनके प्रयासों से ही देश को आजादी मिली है, या भारत अकेले इन्हीं का देश है। उग्रराष्ट्रवाद के जहर में देश की आजादी को डुबोकर ये लोग जबरदस्ती इसका सेवन दूसरों को कराना चाहते हैं और जो इस जहर को पीने से इंकार करे उसे राष्ट्रद्रोही ठहराया जाता है। अभी हाल ही में कुछ घटनाएं ऐसी हुई हैं, जो इस कथन की पुष्टि करती हैं। संसद के मानसून सत्र में इस बार पेगासस जासूसी मामला, कृषि कानून और महंगाई के मुद्दे छाए रहे। इनकी वजह से सत्र लगातार एक पखवाड़े तक बाधित रहा। लेकिन संसद की चैखट पर शीश नवाने वाले प्रधानमंत्री ने अपने व्यस्त कार्यक्रम से इतना अवकाश नहीं निकाला कि वे इन मुद्दों पर विपक्ष के सवालों का जवाब देने के लिए सदन में आएं या उनकी सरकार इन पर चर्चा के लिए राजी हो। प्रधानमंत्री इस 15 अगस्त को फिर से लालकिले की प्राचीर से भाषण देंगे और देश को आजादी के अमृत महोत्सव का ज्ञान बांटेंगे। लेकिन आजादी का असली अमृत तो देश पर तब बरसेगा, जब संसद सत्र पूरी लगन और ईमानदारी से चले, सारे निर्वाचित सांसद अपना अधिकतम वक्त संसद की कार्यवाही में दें और हरेक विधेयक पर गंभीर चिंतन-मनन हो, उसके बाद उसे कानून का रूप दिया जाए। आजादी पर यह कितना बड़ा आघात है कि संसद में इस वक्त ऐसा कुछ नहीं हो रहा। संसद भवन से कुछ ही दूरी पर स्थित जंतर-मंतर पर भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर भारत जोड़ो आंदोलन नाम से रैली निकाली गई। लेकिन इस रैली में ही विभाजनकारी, सांप्रदायिक नफरत से पगे हुए नारे लगाए गए। इस नारेबाजी का बाकायदा वीडियो भी जारी हुआ, जिसमें साफ नजर आ रहा है कि कौन लोग मुठियां भींचे हुए कुछ खास लोगों के लिए हिंसक भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं।

महिला सशक्तीकरण है उज्ज्वला योजना

मनीषा प्रियम

केंद्र सरकार की कल्याणकारी कार्यक्रमों में उज्ज्वला योजना एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई है. पर, इस योजना पर चर्चा करने से पहले हमें एक अन्य पहल का उल्लेख करना चाहिए. सरकार ने रसोई गैस पर मिलनेवाले अनुदान के संबंध में जो काम किया है, वह भी महत्वपूर्ण है. पहले यह अनुदान हर उपभोक्ता को दिया जाता था, भले ही उसकी आर्थिक स्थिति और आमदनी कुछ भी हो. सरकार ने सबसे पहले तो सक्षम लोगों को स्वैच्छिक रूप से अनुदान छोड़ने का आग्रह किया था.इस आग्रह को बहुत बड़ी संख्या में लोगों ने स्वीकार भी किया. उसके बाद रसोई गैस अनुदान को उन्हीं लोगों को दिया गया, जिन्हें इसकी आवश्यकता थी. जो रसोई गैस की कीमत चुका सकते थे, उन्होंने राज्य का आसरा छोड़ा. इस पहल से सरकार की बचत हुई और उस बचत को उन लोगों को रसोई गैस देने में खर्च किया गया है, जो समाज के निर्धन और वंचित वर्गों से आते हैं. उज्ज्वला योजना के तहत गैस का कनेक्शन तो दिया ही गया है, साथ में एक भरा हुआ सिलेंडर और चूल्हा भी मुहैया कराया गया है. इस योजना में रसोई गैस का वितरण बड़े पैमाने पर किया गया.वर्ष 2016 में जब इस योजना का शुभारंभ किया गया था, तब गरीबी रेखा से नीचे बसर करनेवाले पांच करोड़ परिवारों को रसोई गैस कनेक्शन देने का लक्ष्य रखा गया था. दो वर्ष बाद इस योजना का विस्तार हुआ और इसमें सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित समुदायों को भी शामिल किया गया. इसके अलावा लाभार्थियों की लक्षित संख्या को भी पांच करोड़ से बढ़ाकर आठ करोड़ कर दिया गया था. सरकार की जानकारी के अनुसार, अगस्त, 2019 में ही इस लक्ष्य को पूरा कर लिया गया है. यह एक बड़ी संख्या है. गरीब और वंचित परिवारों की स्थिति में इससे निश्चित रूप से सकारात्मक अंतर आया है. अब दूसरे चरण में ऐसे परिवारों को कनेक्शन देने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जो अभी तक लाभार्थियों की श्रेणी में शामिल नहीं थे. इस प्रकार, दो हिस्सों में सरकार ने पहल की है. एक तो यह हुआ कि जिन्हें अनुदान की आवश्यकता नहीं थी, उन्हें अनुदान के लाभार्थियों की श्रेणी से हटाया गया और दूसरा यह हुआ है कि राज्य ने अपना ध्यान उन परिवारों पर केंद्रित किया है, जिन्हें वास्तव में राहत व मदद की दरकार है. इस योजना में लगातार नये-नये वर्गों को शामिल करना भी उल्लेखनीय प्रयास है.

इस योजना के प्रभाव को राजनीतिक रूप से भी देखा जाना चाहिए. साल 2019 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए समर्थन इस योजना की वजह से बढ़ा था. यह समर्थन विशेष रूप से गरीब तबके की महिलाओं में स्पष्ट रूप से देखा गया था. इसका मतलब यह है कि इस योजना का लाभ लोगों तक पहुंचा है. ग्रामीण परिवार की स्त्रियों को खाना बनाने के लिए न केवल लकड़ी आदि पर निर्भर रहना पड़ता है, बल्कि उन्हें ईंधन जुटाना भी पड़ता है.खाना बनाने समय धुआं वगैरह से उनके स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव होता है. इतना ही नहीं, इससे बच्चे भी प्रभावित होते हैं. निश्चित रूप से ऐसी महिलाओं को रसोई गैस की उपलब्धता से बड़ी राहत मिली है. इसी कारण उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का अनुमोदन भी किया. पर, हमें संबंधित समस्याओं का भी संज्ञान लेना चाहिए. कोरोना महामारी के लंबे दौर में स्थितियों में बहुत तरह के बदलाव हुए हैं. लॉकडाउन में लाभार्थियों को सिलेंडर मिल सका या नहीं, इस बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं है. इस योजना में मिले सिलेंडर को फिर से भरवाने में कितने परिवार सक्षम हो पा रहे हैं, इस पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए.जिन कामगारों को महामारी से जुड़ी पाबंदियों के कारण पलायन करना पड़ा था, उन्हें सिलेंडर नहीं मिल सका था, ये तो स्पष्ट है. कालाबाजारी से मिलनेवाले छोटे-छोटे सिलेंडरों को भराकर ऐसे बहुत से परिवारों ने अपना काम निकाला था. यह सिलसिला अब भी जारी है. इस योजना के दायरे में उनके न होने से या समुचित व्यवस्था नहीं होने से उन्हें मुश्किल हुई. उम्मीद है कि दूसरे चरण में उनका ध्यान रखा जायेगा. पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतें भी लगातार बढ़ी हैं. जिन्हें अब तक रसोई गैस का कनेक्शन दिया गया है और जिन्हें अब शामिल किया जा रहा है, वे निश्चित ही संतुष्ट होंगे कि उनकी ओर सरकार ध्यान दे रही है. परिवारों की महिलाओं और बच्चों को भी राहत मिल रही है, लेकिन अगर उपलब्धता की सहूलियत नहीं होगी, तो सामाजिक सशक्तीकरण की कोशिशों का वांछित लाभ नहीं मिल पायेगा और योजना का उद्देश्य ठीक से पूरा नहीं होगा. ऐसे में यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि सिलेंडर की आपूर्ति होती रहे और उसकी कीमत परिवारों की क्षमता के भीतर हो. यह भी देखा जाना चाहिए कि पलायन करनेवाले कामगार परिवारों को भी उज्ज्वला योजना का लाभ मिले. शहरों और कस्बों में लकड़ी और अन्य ईंधन जुटा पाना बहुत मुश्किल है. यह ठीक है कि नाम-पता से जुड़े प्रमाणपत्रों के बारे में दूसरे चरण में छूट दी गयी है और इसका फायदा भी होगा, लेकिन फिर भी परिचय पत्र आदि का मसला आसान नहीं होता. इसलिए यह जरूरी है कि लाभार्थी को लाभ मिले और आसानी से मिले. अधिक से अधिक परिवारों को आगे इस योजना में शामिल किया जाए, इस पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए.

उद्यम विस्तार पर जोर

आत्मनिर्भर भारत के संकल्प में छोटे और मझोले उद्यमों के विकास के लिए कुछ समय से सरकार की ओर से अनेक पहल किये गये हैं. इस कड़ी में भारत के लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) ने ऐसे उद्यमों को स्थानीय और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से जोड़ने के लिए दीर्घकालिक उपायों की घोषणा की है. यह बैंक छोटे व मझोले उद्यमों को आधुनिक बनाने, कौशल बढ़ाने, उत्पादन क्षमता को बेहतर करने आदि में सहयोग करता है. इस प्रयास में सिडबी ने ऐसे उद्यमों के क्लस्टर के विकास की रणनीति तैयार की है. इसके तहत छह सौ से अधिक कलस्टरों को सहयोग देने की क्षमता है. सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र की हिस्सेदारी अभी 30 फीसदी है, जिसे 40 फीसदी करने की दिशा में सरकार प्रयासरत है. हमारी अर्थव्यवस्था में इस क्षेत्र के महत्व को समझने के लिए यह तथ्य पर्याप्त है कि करीब 6.30 करोड़ इन उद्यमों में गैर-कृषि कार्यबल के 40 प्रतिशत भाग को रोजगार प्राप्त है.

इसका अर्थ यह है कि इस क्षेत्र में 11 करोड़ से अधिक लोग सेवारत हैं. सेवा और मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र के उत्पादन में इन उद्यमों का योगदान क्रमशः लगभग 25 और 33 फीसदी है. बीते डेढ़ साल से जारी कोरोना महामारी के कहर का सबसे अधिक असर भी छोटे और मझोले उद्योगों को हुआ है. अब जब अर्थव्यवस्था एक बार फिर बढ़त की ओर अग्रसर है, तो इसमें इस क्षेत्र की भूमिका उल्लेखनीय है. आत्मनिर्भर भारत योजना के अंतर्गत छोटे और मझोले उद्यमों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के साथ-साथ नियमों में भी आवश्यक संशोधन किये गये थे. इस वर्ष के बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस क्षेत्र के विकास के लिए 15,700 करोड़ रुपये के आवंटन की घोषणा की थी. बजट में इस क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व मशीन लर्निंग को बढ़ावा देने का उल्लेख भी था. सिडबी की योजनाओं में भी अत्याधुनिक तकनीक पर जोर है. इससे उत्पादकता बढ़ाने में भी मदद मिलेगी और रोजगार की गुणवत्ता में भी बेहतरी आयेगी. गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) की समस्या से भी छोटे और मझोले उद्यम प्रभावित हैं. इसके लिए सरकार ने एक अलग ढांचा बनाने का फैसला किया है. कुछ समय पहले रिजर्व बैंक ने भी पुनर्संरचना पहल के तहत कर्जों की सीमा को 25 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 50 करोड़ रुपये करने की घोषणा की थी. छोटे उद्योगों के विकास के लिए बने बैंक के लिए रिजर्व बैंक ने 16 हजार करोड़ रुपये की विशेष सुविधा भी प्रदान की है. ऐसी पहलों से छोटे और मझोले उद्यमों में नये उत्साह के संचार की उम्मीद है, जो महामारी की वजह से धीमी पड़ गयी है. कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निर्यात बढ़ाने का आह्वान किया है. छोटे व मझोले उद्यमों का विस्तार बड़े उद्योगों के लिए भी अहम है. ऐसे में वैश्विक बाजार में भी यह क्षेत्र बड़ा योगदान दे सकता है.

जानकारी

आज का राशिफल

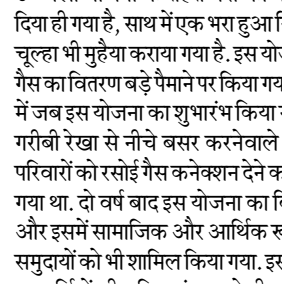

पाठक अपनी समस्याएं, जानकारियां, लेख तथा विचार हमारे संपादकीय कार्यालय पर डाक द्वारा भेज सकते हैं या ईमेल कर सकते हैं, हम उन्हें प्रकाशित करेंगे -

राशिफल

मेषः - भावुकता वश संबंधों में भावनात्मक शोषण की आशंका है। पूर्वाग्रह वश अपने निकटस्थ सम्बन्धों के बारे में गलत धारणा पालना ठीक नहीं। सम्बन्धों की मधुरता हेतु आपस में विास कायम करें।

बृषभः - व्यावसायिक संबंध प्रगाढ़ होंगे। परिश्रम से आर्थिक लाभ के योग हैं। अत्यधिक भावुकता से भावनात्मक शोषण की भी आशंका है। भौतिक जगत से प्रभावित मन भविष्य को लेकर चिन्तित होगा।

मिथुनः - किसी अचल सम्पत्ति क्रय हेतु प्रयत्न तीव्र। अपने भाग्य को कोसना छोड़ अपने समय का सकारात्मक दिशा में लगावें। मान-प्रतिष्ठा में बृद्धि तो होगी परन्तु इससे अभिमानी न बनें।

ककर्ः - समाजिक मान-सम्मान व वर्चस्व में बृद्धि होगी। व्यावसायिक क्षेत्र के प्रतिभा में निखार आयेगा। आपके स्थितियों में आकस्मिक सुधार के आसार बन रहें। कल्पनाएं साकार होती नजर आएंगी।

सिंहः - नये कायरे में पूंजी निवेश हेतु धनाभाव अवरोधक होगा। आपमें दूसरों को आकर्षित करने की अभूतपूर्व क्षमता है इसका भरपूर लाभ मिलेगा। आर्थिक क्षेत्र में परिश्रमानुकूल सफलता प्राप्त होगी।

कन्याः - रोजगार के क्षेत्र में किये गये कर्म का फल सफलता का आगाज कर रहा है। आर्थिक क्षेत्र में परिश्रमानुकूल सफलता प्राप्त होगी। परिजनों की सुख-सुविधा के प्रति मन चिन्तित होगा।

तुलाः - प्रणय सम्बन्ध में केन्द्रित मन प्रियतम से मिलने के लिऐ ब्याकुल होगा। किसी खास मुद्दे को लेकर परिजनों के मतभेद का सामना करना पड़ेगा। प्रयासरत क्षेत्रों में सफलता प्राप्त होगी।

वृश्चिकः - अच्छे अवसरों का लाभ उठानें में सक्षम बनें। जीवन में नीरसता को कम करने के लिए मन को सकारात्मक दिशा देवें। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता से मन उत्साहित होगा।

धनुः - भावुकतावश किसी सम्बन्धी की बातें मन को कष्ट पहुचा सकती हैं। अपने अन्दर नए उर्जा की अनुभूति करेंगे। लेकिन बिगड़े हुए सम्बन्धों को सुधारने की चेष्टा करें। कार्य क्षेत्र में नये आसारों से उत्साहित होंगे।

मकरः - उच्छृंखल व मजाकिया स्वभाव आस-पास के वातावरण में महत्ता तो बढ़ाएगा। रोजगार में अपनी स्थिति को लेकर मन में हीनता का वाश होगा। महत्वपूर्ण पारिवारिक दायित्वों के पूर्ति के आसार बनेंगे।

कुंभः - परिवार में किसी की अस्वस्थता से मन चिन्तित होगा। परिवारिक जिम्मेदारियां मन को बोझिल करेंगी। कोई अवरोधित काम के प्रति मन विशेष रूप से चिन्तित होगा। शिक्षा-प्रतियोगिता में प्रयत्न सार्थक होगा।

मीनः - सरल व मिलनसार स्वभाव से संबंधों में लोकप्रिय होंगे। भौतिक सुख-साधनों की लालसा में व्यय के योग हैं। जीविका क्षेत्र में परिश्रम सार्थक होगा। भावना प्रधान मन जल्द ही दूसरों से प्रभावित हो जाता है।

भारतीय महिला हॉकी: जज्बे की जीत

रवींद्रनाथ महतो

खेल महाकुंभ तोक्यो ओलिंपिक में सात पदक प्राप्त कर भारत ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है. ओलिंपिक में अब तक हासिल कुल 35 पदकों में 10 स्वर्ण पदक हैं, जिनमें आठ स्वर्ण पदक पुरुष हॉकी प्रतियोगिता में मिले हैं. जैवलिन थ्रो में नीरज चोपड़ा के स्वर्ण पदक से 13 साल पहले बीजिंग ओलिंपिक में अभिनव बिंद्रा ने 10 मीटर एयर राइफल शूटिंग में स्वर्ण पदक हासिल किया था. इस प्रकार यह भारत का मात्र दूसरा व्यक्तिगत स्वर्ण पदक है. ओलिंपिक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक ऐसा मंच है, जिसके माध्यम से दुनिया के देश विश्व पटल पर अपनी पहचान बना पाते हैं. भारत जैसे विशाल देश के लिए अपने ओलिंपिक इतिहास में मात्र 35 पदक प्राप्त कर पाना खेल में पिछड़े होने का अहसास दिलाता है. विशेषज्ञों की मानें, तो हमारे देश में खेल संस्कृति का अभाव, खेल में पारिवारिक व सामाजिक भागीदारी तथा इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी, खेल फेडरेशनों की सियासत, भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और सरकारी नीतियों में प्राथमिकता का अभाव इसके मुख्य कारण हैं. मैं बात करना चाहता हूं भारतीय महिला हॉकी टीम की, जो पिछले ओलिंपिक के स्वर्ण पदक विजेता ब्रिटेन से बेहद कड़े मुकाबले में हार कर पदक से चूक गयी. भारतीय महिला टीम केवल तीन बार ओलिंपिक खेलों में शामिल हुई है, पर रानी रामपाल के नेतृत्व वाली इस टीम का अभूतपूर्व प्रदर्शन पूरे भारत की बेटियों की ओर से सपने को जीने जैसा था. इस आयोजन में टीम द्वारा ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसी मजबूत टीमों को हराना निश्चय ही अकल्पनीय था. शुरू में इस टीम के कदम डगमगाये थे, पर दो वर्ष के परिश्रम की बदौलत इसने स्वयं को जमाये रखा और सेमीफाइनल तक पहुंचकर दुनिया को चकित कर दिया. इस सफलता की कहानी 16 बेटियों की कहानी है, जिन्होंने तमाम मुश्किलों को पार कर अपने सपने को साकार किया है और देश की बेटियों के लिए सपने गढ़ने का काम किया है. कप्तान रानी रामपाल के पिता हरियाणा में घोड़ागाड़ी चलाते थे. उन्हें पहले खेलने में विरोध का सामना करना पड़ा था. लेकिन जिनके जज्बों में ताकत होती है, नियति उनके लिए स्वतः रास्ता बना देती है. वर्ष 2010 में 15 साल की उम्र में वे विश्व कप खेलनेवाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनीं. साल 2020 में उन्हें प्रतिष्ठित वर्ल्ड गेम्स एथलीट ऑफ द ईयर का पुरस्कार मिला.

उसी साल बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्स वुमन ऑफ द ईयर के लिए भी उन्हें नामांकित किया गया था. भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से भी सम्मानित किया है. उप कप्तान 27 वर्षीया दीप ग्रेस एक्का भी ओडिशा के एक गरीब परिवार से हैं और तोक्यो में अपना दूसरा ओलिंपिक खेल रही थीं. वर्ष 2013 में महिला जूनियर हॉकी विश्व कप जीतनेवाली टीम में वे शामिल थीं. टीम की स्टार खिलाड़ी 29 साल की वंदना कटारिया 2013 के जूनियर महिला विश्व कप में भारत की ओर से सबसे ज्यादा गोल करनेवाली खिलाड़ी रहीं. वंदना 2016 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में स्वर्ण पदक जीतनेवाली टीम में भी थीं. तीस वर्षीया गोलकीपर सविता हरियाणा से हैं. पिछले 12 सालों में वे भारत के लिए सौ से ज्यादा मैच खेल चुकी हैं. साल 2018 में उन्हें अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था.

इस गौरवशाली टीम में झारखंड की दो बेटियां- निक्की प्रधान और सलीमा टेटे- भी थीं. निक्की 27 वर्ष की हैं और भारत के लिए सौ से ज्यादा मैच खेल चुकी हैं. वे जयपाल सिंह मुंडा के जिले खूंटी से हैं. वे 2016 के रियो ओलिंपिक में भी खेल चुकी हैं. तब वे ओलिंपिक में हिस्सा लेनेवाली झारखंड की पहली महिला हॉकी खिलाड़ी बनी थीं. सलीमा टेटे सिमडेगा से हैं और उनकी उम्र मात्र 19 साल है. वे 2018 के यूथ ओलिंपिक में रजत पदक जीतनेवाली भारतीय टीम की कप्तान थीं. हमारे राज्य की ऐसी अनेक प्रतिभाशाली महिला खिलाड़ी हैं. बेंगलुरु में चल रहे जूनियर इंडिया कैंप में झारखंड के सिमडेगा जिले की तीन बेटियां- संगीता कुमारी, ब्यूटी डुंगडुंग और सुषमा कुमारी प्रशिक्षण ले रही हैं. ये तीनों एक ही गांव कमार्गुड़ी की हैं. साल 2016 के अंडर-18 एशिया कप में कांस्य पदक विजेता भारत की ओर से किये गये 14 में से आठ गोल संगीता ने किया था. साल 2002-03 के आसपास झारखंड की कई खिलाड़ी टीम में हुआ करती थीं, जिनमें प्रमुख रूप से सुमराय टेटे, एडलिन केरकेट्टा, कांति बा, मसीरा सुरीन, असुऊंता लकड़ा आदि थीं. एक बड़े अंतराल के बाद 2015 के बाद पुनः यह सिलसिला शुरू हुआ और झारखंड की निक्की प्रधान, सोनल मिंज, अलका डुंगडुंग, अल्फा केरकेट्टा और अब सलीमा टेटे, संगीता कुमारी, ब्यूटी, सुषमा कुमारी आदि या तो भारतीय टीम से खेल चुकी हैं या खेल रही हैं. देश में व विशेषकर हमारे राज्य झारखंड में प्रतिभाओं की कमी नहीं है. आवश्यकता है खेल के क्षेत्र में ऐसा इकोसिस्टम तैयार करने की, जो स्वतः खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करे. हॉकी के लिए जिस प्रकार ओडिशा की नवीन पटनायक सरकार ने कार्य किया है

SMS LUCKNOW
School of Management Sciences, Lucknow
Top-50 B-School of India (By Business India) | Admission Helpline : 9208000092 | www.smslucknow.com
B.Tech / MBA / PGDM / DIPLOMA / BBA / BCA
B.Com. / B.Com (H) / M.Com. / B.Sc. / BJMC / B.Voc.
Campus : 19th Km Stone, Sultanpur Road, Lucknow. Ph : 09792633331, 09506033170 | City Office : Sky-Hi-Chambers, 5 Park Road, Hazratganj, Lucknow, Ph :0522-2238116, 2237273
कोरोना एक महामारी है: आप सभी लोग घर पर रहकर अपना और अपने परिवार का बचाव करें।

संक्षेप

15 अगस्त को सम्मानित जिले के किसान

बहराइच शासन द्वारा प्रदेश के ऐसे प्रगतिशील किसानों जिनके द्वारा विभिन्न फसलों में उच्च स्तर की उपलब्धता प्राप्त करने, नवीन तकनीकी विकसित करने, नवाचार करने तथा कृषक उत्पादक संगठनों को बढ़ावा देने एवं केन्द्र सरकार की योजनाओं में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कृषकों को स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर सम्मानित किये जाने का निर्णय लिया गया है।

यह जानकारी देते हुए जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने बताया कि स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त 2021 को पूर्वान्ह 11:00 बजे से कृषि विज्ञान केन्द्र बहराइच के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जनपद के प्रगतिशील कृषकों को सम्मानित किया जायेगा।इस अवसर पर प्रसार सुधार (आत्मा) योजनान्तर्गत एक दिवसीय कृषक वैज्ञानिक संवाद का आयोजन भी किया जायेगा।

डीएम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम योजना की बैठक

बहराइच प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम योजना अन्तर्गत नवीन प्रस्तावों के अनुमोदन हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में आयोजित जिला स्तरीय समिति की बैठक में चर्चा के दौरान निर्देश दिये गये कि मा. जनप्रतिनिधियों व सम्बन्धित विभागों से प्रसताव प्राप्त कर एक सप्ताह में पुनः बैठक आयोजित करायें। जिलाधिकारी डॉ. चन्द्र ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिया कि जनपद में संचालित समस्त कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालयों में उपलब्ध संसाधनों का जिला स्तरीय अधिकारियों से सत्यापन करायें तदोपरान्त आवासीय विद्यालयों के विकास हेतु आवश्यक संसाधनों को भी प्रस्तावों में सम्मिलित किया जाय। इसके अलावा अन्य सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि पुनः परीक्षण कर एक सप्ताह के अन्दर प्रस्ताव उपलब्ध कराना सनिश्चित करें। बैठक के दौरान जिलाधिकारी डॉ. चन्द्र ने नोडल विभाग अल्पसंख्यक कल्याण विभाग को निर्देश दिया गया कि योजनान्तर्गत शामिल किये जाने प्रस्तावों के सम्बन्ध में शासन द्वारा मानक इत्यादि से सम्बन्धित विवरण मा. जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध करा दें, ताकि उनके द्वारा तद्नुसार प्रस्ताव उपलब्ध कराये जा सकें।इस अवसर पर विधायक बलहा श्रीमती सरोज सोनकर, विधायक पयागपुर सुभाष त्रिपाठी के प्रतिनिधि निशंक त्रिपाठी, मुख्य विकास अधिकारी कविता मीना, जिला विकास अधिकारी राजेश कुमार मिश्र, जिला विद्यालय निरीक्षक चन्द्रपाल, बी.एस.ए. अजय कुमार, जिला गन्ना अधिकारी शैलेश कुमार मौर्या, खण्ड विकास अधिकारी व अन्य सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

मिशन शक्ति अभियान व मिशन अपराजिता के तहत आयोजित हुई कार्यशाला

महिला आरक्षियों को प्रदान की गयी विभागीय योजनाओं की जानकारी

डीएम, एसपी व सीडीओ ने जागरूकता वाहन का दिखाई झण्डी

बहराइच ।नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन के लिए संचालित मिशन शक्ति अभियान 3.0 तथा पुलिस अधीक्षक द्वारा संचालित मिशन अपराजिता के अन्तर्गत जिले की महिला आरक्षियों को केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा महिला कल्याण एवं सशक्तिकरण के दृष्टिगत से संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान किये जाने के उद्देश्य से पुलिस लाइन परिसर में वृहद कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला आयोजन के पीछे मुख्य उद्देश्य यही है कि पुलिस स्टेशनों पर आने वाली महिलाओं की सुरक्षा व सम्मान से सम्बन्धित समस्याओं के निदान के साथ-साथ उन्हें स्वावलम्बन की राह भी दिखायी जा सके। सर्वप्रथम जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र, पुलिस अधीक्षक सुजाता सिंह व मुख्य विकास अधिकारी कविता मीना ने मिशन शक्ति जागयकता अभियान वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया तदोपरान्त दीप प्रज्ज्वलित व मॉ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यशाला का शुभारम्भ किया। जबकि महिला आरक्षी सुश्री नसरा खॉन द्वारा सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की गयी। कार्यशाला का संचालन परियोजना निदेशक डी.आर.डी.ए. अनिल कुमार सिंह ने किया। कार्यशाला का सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने कहा कि मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी व प्रदेश के मुख्य मंत्री मा. योगी आदित्यनाथ का सपना है कि देश व प्रदेश की महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन के साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जाय। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए मिशन शक्ति अभियान 3.0 संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक अभिनव प्रयोग के माध्यम से जिले में प्रयास किया गया है कि पुलिस स्टेशनों पर आने वाली महिलाओं की पुलिस से सम्बन्धित समस्याओं के निस्तारण के साथ-साथ उन्हें सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी एवं विकासपरक योजनाओं से भी आच्छादित कराया जाय।

उद्यम स्थापना में मददगार है प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम

बहराइच ।जिला ग्रामोद्योग अधिकारी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि उ.प्र. खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा संचालित प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत उद्यम की स्थापना के लिए बैंकों के माध्यम से अधिकतम रू. 25.00 लाख का ऋण प्राप्त किया जा सकता है। योजनान्तर्गत सामान्य वर्ग के पुरूष लाभार्थियों को 25 प्रतिशत एवं आरक्षित वर्ग के पुरूष लाभार्थियों को प्रोजेक्ट कास्ट का 35 प्रतिशत मार्जिन मनी अनुदान की सुविधा भी अनुमन्य है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों की वित पोषित को अधिकतम 13 प्रतिशत तक ब्याज उपादान की सुविधा भी 03 वर्ष तक दिये जाने का प्राविधान है। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी श्री वर्मा ने बताया कि योजनान्तर्गत ऑनलाइन आवेदन की अनुमन्य है। ग्रामीण क्षेत्र में उद्यम की स्थापना हेतु इच्छुक आवेदक वेबसाइट केवीआईसी ऑनलाइन डाट जीओवी डाट इन पर केवीआईबी एजेन्सी चयन कर आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए जिला ग्रामोद्योग कार्यालय अथवा कार्यालय के दूरभाष नम्बर 05252-297928 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

हरीतिमा के साथ-साथ रोगों से बचाव भी कर रहे हैं लोक निर्माण विभाग द्वारा हर्बल मार्गों पर रोपित पौधे

बहराइच ।आज की भागमभाग एवं अनियमित जीवन शैली में व्यक्ति अपने शारीरिक स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पा रहा है, जिसका परिणाम यह हो रहा है कि लोगों में प्रतिरोधक क्षमता की कमी हो रही है। कोविड-19 के संक्रमण से बचाव के लिए प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने पर बल दिया गया है। जिन लोगों में प्रतिरोधक क्षमता अच्छी रही, उन्हें संक्रमण प्रभावित नहीं कर सका। आज हर नागरिक अपनी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए ज्यादातर आयुर्वेदिक वृक्षों से प्राप्त होने वाली औषधियों पर निर्भर हो रहा है। इससे हर्बल वृक्षों की महत्ता बढ़ गई है।

वातावरण के प्रदूषण एवं बीमारियों से बचाव हेतु लोक निर्माण विभाग द्वारा चयनित मार्गों के एक ओर ग्रीन पट्टी बनाकर उसमें हर्बल पौधारोपण किया जा रहा है।इस हेतु मासपर्णी, सप्तपर्णी, जत्रोफा (रतनजोत), जल नीम, छोटा नीम, सहजन, मेंथा, लेमन ग्रास, भ्रिंगराज, मुई, आंवला, ब्राह्मी, तुलसी, अनन्तमूल, ग्वारापाठा, अश्वगंधा, हल्दी आदि पौधे जोकि कई रोगों के समाधान के लिए अत्यन्त उपयोगी हैं, रोपित किये जा रहे है। प्रदेश में लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों के लगभग 200 मार्गों को हर्बल मार्ग के रूप चिन्हित करते हुए लगभग 1000 किमी0 में 41 हजार से अधिक हर्बल पौधे रोपित कर आमजन के लिए उपयोगी बनाया गया है।

15 अगस्त, 2018 से लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रदेश के सभी 18 मण्डलों में एक-एक मार्ग का चयन कर हर्बल मार्ग के रूप में विकसित करने का कार्य प्रारम्भ किया गया। जिसके सापेक्ष वर्ष 2018-19 में कुल 18 मार्गों की कुल 187 किमी0 का चयन करते हुए 6690 पौधों को रोपित किया गया। वर्ष 2020-21 में प्रदेश के प्रत्येक खण्ड में एक मार्ग का चयन कर उसे हर्बल मार्ग के रूप में विकसित करते हुए कुल 175 मार्गों की लगभग 800 किमी0 लम्बाई को हर्बल मार्ग के रूप में चयन किया गया है। जिन पर अब तक 33515 पौधे रोपित किये जा चुके हैं। मार्गों को हर्बल मार्ग बनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों की इम्यूनिटी को बेहतर करने के साथ-साथ पर्यावरण को शुद्ध रखना है। हर्बल मार्गों को विकसित करने हेतु अलग से कोई धनावंटन निर्गत नहीं किया गया है, बल्कि मौजूद संसाधन जैसे मार्गों पर कन्टेन्जेन्सी मद इत्यादि से जनहित व स्वास्थ्यवर्धन का यह कार्य कराया गया है। हर्बल मार्गों पर विभिन्न औषधीय वृक्षों के होने से वायु प्रदूषण में कमी आयेगी, साथ ही आमजन को औषधि भी प्राप्त होगी।

सिटीजन चार्टर कार्य के लिए नामित किये गये नोडल अधिकारी

बहराइच ।शासन के निर्देशानुसार 15 अगस्त 2021 तक मेरी पंचायत, मेरा अधिकार-जन सेवायें हमारे द्वार अभियान संचालित कर प्रत्येक ग्राम पंचायत द्वारा सिटीजन चार्टर तैयार किया जाना है।

यू0पी0 डिफेंस कॉरीडोर, संभावनाएं और भविष्य

बहराइच उत्तर प्रदेश भारत का चौथा बड़ा राज्य है और देश के अन्दर तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था है। 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश की आबादी लगभग 19.95 करोड़ है। उत्तर प्रदेश श्रमबल की दृष्टि से देश में प्रथम स्थान पर है।

उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरीडोर एक बहुआंकाक्षी परियोजना है, जो भारतीय रक्षा क्षेत्र को मजबूत करने के साथ-साथ विदेशी निर्भरता में भी कमी करेगी। 11 अगस्त, 2018 को अलीगढ़ में आयोजित एक बैठक के दौरान इस क्षेत्र में करीब 3700 करोड़ रुपए निवेश की घोषणा की गई थी। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस वे इण्डस्ट्रियल डेवलपमेन्ट अथॉरिटी इस परियोजना के लिए नोडल एजेंसी का काम करेगी। यह परियोजना मुख्यतः 6 नोड में संचालित की जाएगी, जिनमें लखनऊ, कानुपर, झांसी, आगरा, अलीगढ़, चित्रकूट शामिल है। यह परियोजना उत्तर प्रदेश के मध्य पूर्व और पश्चिम क्षेत्र में विस्तारित है।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इस परियोजना से सम्बन्धित सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस विस्तारित करने के लिए आई.आई.टी. कानपुर और आई.आई.टी. बी.एच.यू. को मान्यता दी गई है। इस परियोजना के लिए निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश डिफेंस एण्ड एयरोस्पेस यूनिट एण्ड एम्प्लायमेण्ट प्रमोशन पॉलिसी (पहला संशोधन) 2019 प्रकाशित किया गया है। सरकार द्वारा डिफेंस कॉरिडोर के लिए इण्डस्ट्रियल प्लॉट एलॉटमेण्ट के लिए गाइडलाईन जारी की गई है। उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर परियोजना के विभिन्न नोड्स के लिए यूपीडा और अन्य कम्पनियों के बीच लगभग 32 एम.ओ.यू. पर साइन किए जा चुके हैं। चिन्हित समस्याओं के समाधान के लिए यूपीडा और इण्डियन नेवी के बीच 13 अगस्त, 2020 को एम.ओ.यू. पर साइन किए जा चुके हैं। डिफेंस कॉरिडोर के 6 नोड्स में से अलीगढ़ नोड के लिए निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। इस हेतु सड़क निर्माण किया जा रहा है साथ ही बिजलीघर भी स्थापित किया जा रहा है। पहले चरण में फैक्ट्रियों में अगले कुछ वर्षों में उत्पादन शुरू होने की सम्भावना है। अलीगढ़ नोड 4 चरणों में विकसित किया जायेगा। अलीगढ़ कॉरिडोर खासा महत्व रखता है। क्योंकि यह नोड एनसीआर के करीब होने से ज्यादा क्षमतावान साबित होगा। साथ ही अलीगढ़ नोड अन्तर्राष्ट्रीय जेवर एयरपोर्ट से 46 किमी, अलीगढ़ जक्शन से 15 किमी और धनीपुर एयरपोर्ट से 16 किमी की दूरी पर है। निवेशकों द्वारा अलीगढ़ नोड में रूचि दशार्ने का एक बड़ा कारण अच्छी परिवहन सेवा होना है।

डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर भारतीय रक्षा क्षेत्र को मजबूती प्रदान करेगा। यह परियोजना वैश्विक परिदृश्य में देश का मान बढ़ाएगी। इससे भारत का रक्षा आयात कम होगा जिससे पूंजी के बहिर्गमन पर अंकुश लगेगा साथ ही रक्षा उपकरणों के निर्यात की भी संभावनाएं बनेगी। इस कॉरिडोर से उत्तर प्रदेश रक्षा उपकरणों के हब के रूप में विकसित होगा। इस परियोजना से स्थानीय निवासियां को रोजगार प्राप्त होगा जिससे लोगों की आय में वृद्धि होगी साथ ही अनुषंगी रोजगार भी सृजित होंगे। अगर इस परियोजना पर समग्रता से विचार किया जाए तो यह प्रदेश में रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश को रक्षा हब बनाने में महत्वपूर्ण साबित होगी।

सहकारिता मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा का आगमन

बहराइच प्रदेश के सहकारिता मंत्री श्री मुकुट बिहारी वर्मा का 14 अगस्त 2021 को जनपद आगमन का कार्यक्रम प्रस्तावित है। श्री वर्मा 14 अगस्त 2021 को अपरान्ह 02:00 बजे निरीक्षण भवन लो.नि.वि. बहराइच पहुॅचकर सुविधानुसार स्थानीय भ्रमण अवस्थान एवं रात्रि विश्राम करेंगे। निर्धारित भ्रमण कार्यक्रम के अनुसार श्री वर्मा 15 अगस्त 2021 को सुविधानुसार स्थानीय भ्रमण अवस्थान एवं रात्रि विश्राम करेंगे। सहकारिता मंत्री श्री वर्मा 16 अगस्त 2021 को प्रातः 09:15 बजे जनपद बाराबंकी के लिए प्रस्थान कर जायेंगे। यह जानकारी प्रभारी अधिकारी वीआईपी/नगर मजिस्ट्रेट अनिल कुमार सिंह ने दी है।

किसान पंचायत में जुटे सैकडों की संख्या में लोग

किसानों की मांगों को लेकर गंभीर नहीं है प्रशासन - अनुरूद्ध दुबे

मैनपुरी/किशनी। भा0कि0यू0(किसान) के वैनर तले किसानों की एक विशाल पंचायत तहसील क्षेत्र के गांव आनन्दपुर में सम्पन्न होगई।इस पंचायत में किसानों ने कई निर्णय लिये। शुक्रवार को गांव आनन्दपुर में भारतीय किसान यूनियन(किसान) की बडी किसानपंचायत का आयोजन जिला उपाध्यक्ष अतुल पाठक की अगुआई में किया गया। पंचायत के प्रारम्भ में सभी बुजुर्गों तथा बाहर से आये पदाधिकारियों का शॉल उडा कर तथा फूलमालाओं से सम्मान किया गया। बैठक में बोलते हुये जिलाध्यक्ष अनुरूद्ध दुबे ने कहा कि भृष्टाचार के इस दौर में ईमानदारी ढूंढने से भी नहीं मिल रही है। हर सरकारी कर्मचारी बिना रिश्वत लिये काम नहीं करता है। उन्होंने कहा कि सरकारी खरीद केन्द्रों पर किसानों का गेहूं नहीं खरीदा गया। किसान केन्द्र के बाहर लावारिस हालात में पडा तडफता रहा जबकि सचिव माल काटते रहे। उन्होंने एसडीएम, डीएम दोनों अधिकारियों को ज्ञापन दिये तथा धरना भी दिया। पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। इससे स्पष्ट हो रहा है

ब्लॉक को जनपद में टॉप स्थान दिलाना पहली प्राथमिकता-बीडीओ

मैनपुरी/किशनी। नवागत बीडीओ रुक्मणी वर्मा ने ब्लॉक का चार्ज लेते अपनी मंशा साफ कर दी है।चार्ज लेने के बाद अधीनस्थों की बैठक में उन्होंने कहा कि प्रत्येक कर्मी को अपना कार्य ईमानदारी से करना पड़ेगा।लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नही होगी। ब्लॉक कार्यालय में उन्नाव से स्थान्तरण पर आई नवागत बीडीओ ने चार्ज लेने के बाद अधीनस्थों के जमकर पेच कसे।उन्होंने कहा कि जिले में इस ब्लॉक का टॉप रहना मेरी पहली प्राथमिकताप्रति सप्ताह होगी बैठक जिसमे समीक्षा की जाएगीमुझे काम चाहिए तभी टॉप पर आ पाएंगे लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नही की जाएगी।कर्मचारी प्रयाप्त है केवल कम्प्यूटर आपरेटर की कमी है जिसके लिए उच्चाधिकारियों को पत्राचार के माध्यम से बताया जाएगा।ब्लॉक क्षेत्र में जिन गौशालाओ में गायों के खाने के लिए भूषा व मद समाप्त हो गया है।उस ग्रामसभा के प्रधान अपने पास से किसी फर्म से खरीद लें। डिमांड भेजी जा रही है आते ही भुगतान कर दिया जाएगा।इस मौके पर अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगाअजय पांडेय,एकाउंटेंट रियाज खान,धनवेश यादव,उमेश यादव,ओमप्रकाश,सत्यम सहित सभी कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रसपा के नवनियुक्त पदाधिकारियों को दिया नियुक्त पत्र

मैनपुरी/किशनी। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया नगर कमेटी की समीक्षा बैठक प्रसपा कार्यालय निकट तहसील गेट के सामने प्रसपा नगर अध्यक्ष उमाकांत यादव की अध्यक्षता में आयोजित हुई।जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में प्रसपा जिलाध्यक्ष वोट सिंह यादव ने भाग लिया।बैठक में नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिया गया तथा संगठन की मजबूती पर बल एवं अपना बूथ सबसे मजबूत करने पर बल दिया गया

दि सेकसरिया बिसवां शुगर फैक्ट्री लिमिटेड, बिसवां (सीतापुर)
(आई0 एस0ओ0 9001:2015, 14001:2015 एवं 22000:2018 द्वारा प्रमाणित)
समस्त क्षेत्रवासियों,कर्मचारियों एवं किसान भाईयों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।
सफेद दानेदार उच्च कोटि की चीनी,एथनॉल एवं 32 मेगावाट बिजली का सह-उत्पादन के निमार्ता गन्ना आपूर्ति में पारदर्शिता लाने हेतु दी जाने वाली सुविधाएं
ई-गन्ना प्रणाली के अंतर्गत ई-गन्ना ऐप के साथ-साथ टोल फ्री नंबर से जानकारी प्राप्त करने की सुविधा:-
(क) कार्यालय, गन्ना एवं चीनी आयुक्त - 1800-121-3203,
(ख) गन्ना पर्ची सम्बन्धी जानकारी - 1800-103-5823
(ग) खेती से सम्बंधित जानकारी - 1800-180-1551
कोविड-19 से संक्रमण से बचाव सैनेटाइजर का प्रयोग करे, साबुन से बार-बार हाथ धोयें, सोशल डिस्टेंसिंग बनिये रखें। कोवैक्सिन/कोविशिल्ड का टिका अवश्य लगवायें।
कोरोना को हराना है, देश को बचाना है
'मृदा परीक्षण अवश्य कराएं, संस्तुति के आधार पर उर्वरक लगायें''
ट्रेन्च विधि से गन्ने की बुवाई कराएं, सह फसल के साथ दोहरा लाभ कमायें।
पराली एवं गन्ने की पत्ती न जलाएं, ट्रेश गल्चर से जुताई कर जैविक खाद बनायें।
गन्ना प्रजाति को0पी0के0 - 15191 की बुवाई कदापि न करें, उन्नतशील प्रजाति को0लख0 - 94184, को0 - 98014, को0शा0 - 08272 एवं को0 - 0118 व को0 - 0238 को अपनायें।
(रमेश चन्द्र सिंघल)
मुख्य अधिषासी

सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई
भारतेंदु शुक्ला
अर्ली न्यूज, ब्यूरो चीफ सीतापुर
मो-9519407703
8840773501

Bitech Institute of Technology and Management
(Under-Bitech Minority Educational and welfare Society)
Programs Offered
BA BBA BCA MA MBA MCA BSc MSW
B.Com M.Com PGDCA CCC 'O' Level Tally
3/7, Patrakarpuram, Vinay Khand, Gomti Nagar, Lucknow-226010
Contact Us:9696710007,9648199555,9936584555 Email: bitechminority@gmail.com
BiTECH
Training Partner of
Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत
DARPAN

अर्ली न्यूज़
हिन्दी दैनिक
लखनऊ 15 अगस्त रविवार 2021
www.earlynews.in

कोरोना संक्रमण से बचाव और उपचार की व्यवस्थाओं को निरन्तर सुदृढ़ बनाकर रखा जाए - योगी

पिछले 24 घण्टे में प्रदेश में कोरोना संक्रमण के 43 नए मामले सामने आए, इस दौरान 71 व्यक्तियों को सफल उपचार के उपरान्त डिस्चार्ज किया गया

- वर्तमान में प्रदेश में कोविड के एक्टिव मामलों की संख्या 490 है
- जनपद अलीगढ़, अमेठी, चित्रकूट, एटा, फिरोजाबाद, गोण्डा, हाथरस, कासगंज, पीलीभीत, सहारनपुर, शामली, तथा सोनभद्र में कोविड का एक भी मरीज नहीं
- पिछले 24 घण्टे में प्रदेश में 2,48,631 कोरोना टेस्ट किये गए, अब तक राज्य में 06 करोड़ 83 लाख 86 हजार 372 कोविड टेस्ट सम्पन्न हो चुके हैं, प्रदेश में कोविड संक्रमण की रिकवरी दर 98.6 प्रतिशत है

अर्ली न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कोरोना संक्रमण से बचाव और उपचार की व्यवस्थाओं को निरन्तर सुदृढ़ बनाकर रखा जाए। प्रदेश में संक्रमण तेसे कम हो रहा है, किन्तु यह अभी समाप्त नहीं हुआ है। इसलिए यह अतिरिक्त सतर्कता एवं सावधानी बरतने का समय है। उन्होंने कोविड प्रोटोकॉल का पूर्णतया पालन सुनिश्चित कराए जाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री यहां लोक भवन में आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश में कोविड-19 की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि पिछले 24 घण्टे में प्रदेश में कोरोना संक्रमण के 43 नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान 71 व्यक्तियों को सफल उपचार के उपरान्त डिस्चार्ज किया गया। वर्तमान में प्रदेश में कोविड के एक्टिव मामलों की संख्या 490 है। जनपद अलीगढ़, अमेठी, चित्रकूट, एटा, फिरोजाबाद, गोण्डा, हाथरस, कासगंज, पीलीभीत, सहारनपुर, शामली, तथा सोनभद्र में कोविड का एक भी मरीज नहीं है। पिछले 24 घण्टे में प्रदेश में 2,48,631 कोरोना टेस्ट किये गए। अब तक राज्य में 06 करोड़ 83 लाख 86 हजार 372 कोविड टेस्ट सम्पन्न हो चुके हैं। प्रदेश में कोविड संक्रमण की रिकवरी दर 98.6 प्रतिशत है।

मुख्यमंत्री ने कोविड वैक्सीनेशन कार्य को पूरी सक्रियता से जारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संक्रमण को नियंत्रित करने में कोविड वैक्सीनेशन एक महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच है। उन्होंने कहा कि पहली डोज ले चुके सभी लोग समय पर दूसरी डोज भी अवश्य लें। इसके लिए लोगों को जागरूक किया जाए। बैठक में अवगत कराया गया कि अब तक प्रदेश में 05 करोड़ 55 लाख 23 हजार 603 से अधिक वैक्सीन डोज लगाई जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जनपद महराजगंज में दहाई अंकों में कोरोना संक्रमित मरीजों की पुष्टिहुई है। यहां 10 नये संक्रमित पाये गये हैं। सभी संक्रमित एक ही क्षेत्र के हैं। यह क्षेत्र गोरखपुर-महराजगंज की सीमा से लगा है। उन्होंने निर्देश दिये कि सभी संक्रमित मरीजों के सैम्पल कलेक्ट कर के 0जी0एम0यू0, लखनऊ में जीनोम सिक्वेंसिंग करायी जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीम अलर्ट मोड में रहे।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के कतिपय जनपदों में सीवर से जुड़े कार्यों में कुप्रबंधन की स्थिति देखने को मिली है। कहीं सीवर लाइन बिछाने के बाद सड़क निर्माण/मरम्मत नहीं किया गया तो कहीं पीने के पानी में सीवर का गंदा पानी आने की शिकायत है। लखनऊ में ऐसा ही प्रकरण देखने में आया है। दूषित जल के कारण लोगों के बीमार होने की जानकारी मिली है। ऐसे सभी प्रकरणों का संज्ञान लेते हुए न केवल समस्या निस्तारित कराई जाए, बल्कि जवाबदेही तय करते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। नगर विकास विभाग द्वारा इस संबंध में तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाए।मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य तेसे संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाढ़ तथा अतिवृष्टि की स्थिति पर निरन्तर नजर रखी जाए तथा नदियों के जल स्तर की सतत मॉनिटरिंग की जाए। बाढ़ पीड़ितों को समय पर राहत सामग्री उपलब्ध कराते हुए उनकी हर सम्भव मदद की जाए। सभी प्रभावित जनपदों में एन0डी0आर0एफ0, एस0डी0आर0एफ0 सहित आपदा प्रबन्धन की सभी टीमें निरन्तर सक्रिय रहें।

संक्षेप

डीआरएम ने लखनऊ-अयोध्या रेल खंड का किया निरीक्षण

लखनऊ। उत्तर रेलवे,लखनऊ मंडल पर चल रहे विकास कार्यो एवं प्रगतिशील परियोजनाओ की जानकारी तथा स्टेशनो पर यात्री सुविधाओ के नवीनीकरण तथा आधुनिकरण जैसे अनेक महत्त्वपूर्ण विषयो को ध्यान में रखते हुए आज मंडल के नवनियुक्त मंडल रेल प्रबंधक सुरेश कुमार सपरा ने मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ लखनऊ-अयोध्या रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग करते हुए निरीक्षण किया, मंडल रेल प्रबंधक ने अयोध्या स्टेशन पर पहुँच कर भगवान श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या स्टेशन के आधुनिकीकरण ,नवीनीकरण एवं संरचनात्मक रूप को परिवर्तित करते हुए इसे एक नव स्वरुप प्रदान करने की दिशा में चल रहे विकास कार्यों सहित समस्त परियोजनाओं का जायजा लिया साथ ही रेलवे तथा स्थानीय राज्य प्रशासन के मध्य उचित सामंजस्य स्थापित करने हेतु राज्य प्रशासन के उच्चाधिकारियों के साथ वार्ता करते हुए अनेक बिन्दुओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया, इसके अतिरिक्त उन्होंने स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं से अवगत होते हुए ,समस्त कार्यालयों, अभिलेखों, स्वच्छता तथा स्टेशन की कार्यप्रणाली को परखा एवं इनमे सुधार हेतु अपने सुझाव दिए, उन्होंने समस्त प्रगति कार्यो की समीक्षा करते हुए सभी कार्यों को यथासमय संपन्न करने पर बल दिया, अपने इस निरीक्षण के दौरान बाराबंकी स्टेशन पर पहुंचकर मंडल रेल प्रबंधक ने स्टेशन की स्वच्छता सहित समस्त व्यवस्थाओ को बारीकी से परखते हुए इनमे सुधार हेतु अपने सुझाव एवं निर्देश पारित किये द्य मंडल रेल प्रबंधक ने समस्त रेल कर्मियों से अनिवार्य रूप से कोविड-19 के समस्त प्रोटोकाल का पालन करते हुए अपनी ड्यूटी के निर्वहन की बात कही मंडल रेल प्रबंधक सुरेश कुमार सपरा ने इस विषय में अवगत कराया कि रेलवे के आधुनिकीकरण एवं नवीनीकरण की दिशा में चल रहे कार्यो के तहत मंडल पर भी अनेक प्रकार की परियोजनायें एवं विकास कार्य प्रगति पर है

एसीएस होमगार्ड पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप, जाँच की मांग

लखनऊ। अमिताभ ठाकुर तथा डॉ नूतन ठाकुर ने होमगार्ड विभाग, उत्तर प्रदेश के एसीएस अनिल कुमार पर भारी भ्रष्टाचार की शिकायत की जाँच की मांग की है। सीएम योगी आदित्यनाथ सहित अन्य को भेजी शिकायत में उन्होंने कहा कि उन्हें प्राप्त एक गुमनाम शिकायत के अनुसार एसीएस अनिल कुमार ने होमगार्ड विभाग में एक दागी अफसर को सतर्कता अधिकारी बनाया है. इसी प्रकार नॉएडा फर्जी ड्यूटी कांड में आरोपी राम नारायण चैरसिया तथा गिरिराज सिंह एवं अवैध संपत्ति की जाँच सहित अन्य गंभीर आरोपों के आरोपी ए पी सिंह तथा गिरीश कटियार को जाँच प्रचलित होने के बाद भी नियमों के खिलाफ पदोन्नत करते हुए उन्हें मलाईदार तैनाती दी। के एच मिश्रा, चन्द्र मोहन मिश्रा तथा दिलीप यादव को बिना विकल्प दिए ही नियम के विपरीत अच्छी तैनाती दी गयी

कोल को जनजाति का दर्जा दिए बगैर उत्तर प्रदेश में सामाजिक न्याय का एजेण्ड़ा पूरा नहीं होगा- आईपीएफ

संवाददाता

लखनऊ। इस समय जाति आधारित जनगणना पर बहस बढ़ती जा रही है। लेकिन उत्तर प्रदेश में कोल को अनुसूचित जनजाति का दर्जा मिले उस पर आम तौर पर मुख्यधारा के राजनीतिक दल चुप है। उन्हें चुप्पी तोड़नी चाहिए और कोलों को जनजाति का दर्जा देने की मांग केन्द्र सरकार से करनी चाहिए। आदिवासियों में एक बड़ी आबादी कोलों की है लेकिन जनजाति का दर्जा न मिलने की वजह से वे वनाधिकार कानून से मिलने वाले लाभ से वंचित है और अपनी पुश्तैनी जमीनों से बेदखल किए जा रहे है। यहीं हाल जनपद चंदौली का है, जहां न केवल कोल बल्कि गोंड़, खरवार व चेरो को भी जनजाति का दर्जा नहीं मिला है और वे भी वनाधिकार कानून के लाभ से वंचित है। जमीन और जनजाति का दर्जा आदिवासियों का वैधानिक अधिकार है जिसे उन्हें मिलना ही चाहिए। जो दल सामाजिक न्याय की वकालत करते है उनकी आदिवासियों पर चुप्पी यह दिखाती है कि वे सामाजिक लोकतंत्र पर गम्भीरता का प्रदर्शन नहीं कर रहे है।

वर्षो से आइपीएफ इसकी मांग कर रहा है और संघर्ष के दबाब में गोंड़, खरवार, चेरो आदि जातियों को सोनभद्र में जनजाति का दर्जा तो मिल गया और उन्हें ओबरा व दुद्धी विधानसभा चुनाव लडने का अधिकार भी मिल गया। लेकिन अभी भी आदिवासियों के साथ अन्याय जारी है जिसे समाप्त किया जाना चाहिए।

भाजपा सरकार की रोजगार देने की कोई मंशा नहीं है, मुख्यमंत्री जी का 4 लाख नौकरियों का दावा पूरी तरह झूठा - अखिलेश यादव

अर्ली न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार की रोजगार देने की कोई मंशा नहीं है। मुख्यमंत्री जी का 4 लाख नौकरियों का दावा पूरी तरह झूठा और भ्रामक है। भाजपा सरकार में युवाओं की दुर्दशा हो रही है। भाजपा राज में युवक-युवतियों की आवाज सुनने वाला कोई नहीं है। हताश युवा अब अपनी समस्याओं की ओर सरकार का ध्यान दिलाने के लिए किसी भी हद तक जोखिम उठाने के लिए मजबूर है।

परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में 69 हजार सहायक भर्ती प्रक्रिया में 22 हजार रिक्तियों को जोड़े जाने की मांग लेकर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पिछले 50 दिनों से अभ्यर्थी आंदोलनरत है। लेकिन सरकार उनसे कोई संवाद ही नहीं कर रही बल्कि एन.सी.ई.आर.टी. कार्यालय में रोजगार के लिए संघर्षरत लड़कियों का दमन किया जा रहा है। जनमत द्वारा निर्वाचित सरकार का यह चरित्र शर्मनाक है।

अखिलेश यादव ने दोहराया कि भाजपा को अपना संकल्प पत्र फिर से पढ़ना चाहिए। 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने युवाओं से 70 लाख रोजगार का वादा किया था। इसके साथ ही छात्रों को मुफ्त लैपटॉप और मुफ्त इंटरनेट का झांसा दिया गया। उत्तर प्रदेश में साढ़े चार साल से सत्ता पर काबिज भाजपा सरकार को अपने झूठे वादों के लिए युवाओं से माफी मांगनी चाहिए। नयी पीढ़ी का भविष्य खराब करने की जिम्मेदार मौजूदा उत्तर प्रदेश सरकार ही है। जिसने न तो विश्वविद्यालयों में अकादमिक वातावरण को सुधारा और न ही बेरोजगारी की समस्या दूर करने की दिशा में कोई ठोस प्रयास किया।

उन्होंने ये बातें अपने ऑफिशियल अकाउंट से ट्वीट कर लिखीं हैं। मायावती ने लिखा, देश की संसद व इसके उच्च सदन राज्यसभा में गत दिनों सत्ता व विपक्ष के बीच गतिरोध में जो कुछ हुआ वह अति दुर्भाग्यपूर्ण है। मैंने अपने लम्बे संसदीय जीवन में बहुत बार सत्ता व विपक्ष के बीच तीखी तकरार, तनाव व तीव्र विरोध आदि देखे हैं किन्तु संसद में अब जैसा दृश्य कभी नहीं देखा है। भाजपा की जुमलेबाजी को देश का युवा वर्ग बखूबी समझ चुका है। नौकरियों के लम्बित परिणाम, परीक्षा के पहले पेपर आउट होना, वैकेंसियों में व्याप्त भ्रष्टाचार से नयी पीढ़ी निराश हो रही है। शिक्षा और रोजगार हमेशा समाजवादियों की प्राथमिकता में रहा है। समाजवादी सरकार में ही नौजवानों की बेरोजगारी दूर हो सकती है। 2022 में युवा ही बदलाव के वाहक होंगे।

लखनऊ मे बरामद हुआ अवैध गांजे का जखीरा

इन्दिरा नगर पुलिस को मिली सफलता कार छोड़ कर भागे 4 लोग

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ कमिश्नरेट के उत्तरी जोन की इन्दिरा नगर पुलिस को आज बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। इन्दरा नगर पुलिस ने चेकिंग के दौरान अवैध गांजे की बड़ी खेप उस समय पकड़ी जब दो कारो मे लाद कर 275 किलो गाजा तस्करी कर कही ले जाया जा रहा था । इन्दिरा नगर पुलिस ने शिवाजीपुरम के पास पार्वती लान के करीब चेकिग के दौरान एक इनोवा और एक इटीयोज कार को रोका तो दोनो कारो मे सवार चार लोग पुलिस से बच कर भाग गए। कारे छोड़ कर भागे लोगो को पुलिस ने पकड़ने का प्रयास किया लेकिन वो पुलिस के हत्थे नही चढ़े । पुलिस ने जब दोनो कारो की तलाशी ली तो दोनो कारो के अन्दर से खाकी रंग के डिब्बो मे भरा 275 किलो अवैध गांजा बरामद हुआ। दो कारो से बरामद हुए दो क्विन्टल 75 किलो गांजे की कीमत करीब 55 लाख रूपए बताई जा रही है। इन्स्पेक्टर इन्दिरा नगर रामफल प्रजापति ने बताया कि दो कारो से डिब्बों मे पैक बरामद हुए अवैध कांजे के सम्बन्ध मे और जानकारियां की जा रही है उन्होने बताया कि दोनो कारो के नम्बरो के आधार पर कार के मालिको का पता लगाया जा रहा है। इन्स्पेक्टर के मुताबिक एक किलो गांजे की कीमत करीब 20 हजार रूपए है इस हिसाब से 275 किलो गांजे की कीमत 55 लाख रूपए आंकी गई है। पकड़ी गई इनोवा कार पर लखनऊ का नम्बर और इटीयोज कार पर जनपद बाराबंकी का नम्बर अंकित है । उन्होने बताया कि गांजा लदी कारे छोड़ कर भागे चारो लोगो की सरगर्मी से तलाश की जा रही है। दो कारो से बरामद हुआ गांजे का बड़ा जखीरा देख कर पुलिस कर्मी भी हथप्रभ रह गए हालाकि लखनऊ मे गांजें की बरामदगी पहली बार नही हुई है लखनऊ पुलिस लगातार नशे के सौदागरो को गिरफ्तार कर गांजा बरामद कर रही है। दो कारो से बरामद हुआ गांजे का बड़ा जखीरा ये संकेत है कि लखनऊ मे नशे के सौदागरो ने अपनी जडे जमा ली है । करीब 55 लाख रूपए कीमत का गांजा दो कारो मे लाद कर लखनऊ से बाहर ले जाया जा रहा था या फिर बाहर से लखनऊ लाया जा रहा था ये तो कार छोड़ कर भागे लोगो की गिरफ्तारी के बाद ही स्पष्ट होगा लेकिन गांजे का जखीरा बरामद होने के बाद ये तो कहा ही जा सकता है कि नशे के सौदागर नशे के आदि लोगो की नसो मे नशे का जहर घोल कर नशे की तस्करी लखनऊ मे कर रहे है । लखनऊ कमिश्नरेट के उत्तरी जोन की इन्दिरा नगर पुलिस को मिली ये सफलता वास्तव मे बड़ी सफलता है उम्मीद जताई जा रही है कि गांजा लदी कारे छोड़ कर भागे चारो लोगो की गिरफ्तारी के बाद नशे के कारोबार का बड़ा खुलासा हो सकता है।

हरीतिमा के साथ रोगों से बचाव भी कर रहे हैं हर्बल मार्गों पर रोपित पौधे

संवाददाता

लखनऊ। भागमभाग एवं अनियमित जीवन शैली में व्यक्ति अपने शारीरिक स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पा रहा है, जिसका परिणाम यह हो रहा है कि लोगों में प्रतिरोधक क्षमता की कमी हो रही है। कोविड-19 के संक्रमण से बचाव के लिए प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने पर बल दिया गया है। जिन लोगों में प्रतिरोधक क्षमता अच्छी रही, उन्हें संक्रमण प्रभावित नहीं कर सका। आज हर नागरिक अपनी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए ज्यादातर आयुर्वेदिक वृक्षों से प्राप्त होने वाली औषधियों पर निर्भर हो रहा है। इससे हर्बल वृक्षों की महत्ता बढ़ गई है।वातावरण के प्रदूषण एवं बीमारियों से बचाव हेतु लोक निर्माण विभाग द्वारा चयनित मार्गों के एक ओर ग्रीन पट्टी बनाकर उसमें हर्बल पौधारोपण किया जा रहा है। इस हेतु मासपर्णी, सप्तपर्णी, जत्रोफा रतनजोत, जल नीम, छोटा नीम, सहजन, मेंथा, लेमन ग्रास, भ्रिंगराज, मुई, आंवला, ब्राह्मी, तुलसी, अनन्तमूल, ग्वारापाठा, अश्वगंधा, हल्दी आदि पौधे जोकि कई रोगों के समाधान के लिए अत्यन्त उपयोगी हैं, रोपित किये जा रहे है। प्रदेश में लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों के लगभग 200 मार्गों को हर्बल मार्ग के रूप चिन्हित करते हुए लगभग 1000 किमी0 में 41 हजार से अधिक हर्बल पौधे रोपित कर आमजन के लिए उपयोगी बनाया गया है।15 अगस्त, 2018 से लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रदेश के सभी 18 मण्डलों में एक-एक मार्ग का चयन कर हर्बल मार्ग के रूप में विकसित करने का कार्य प्रारम्भ किया गया। जिसके सापेक्ष वर्ष 2018-19 में कुल 18 मार्गों की कुल 187 किमी0 का चयन करते हुए 6690 पौधों को रोपित किया गया। वर्ष 2020-21 में प्रदेश के प्रत्येक खण्ड में एक मार्ग का चयन कर उसे हर्बल मार्ग के रूप में विकसित करते हुए कुल 175 मार्गों की लगभग 800 किमी0 लम्बाई को हर्बल मार्ग के रूप में चयन किया गया है। जिन पर अब तक 33515 पौधे रोपित किये जा चुके हैं। मार्गों को हर्बल मार्ग बनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों की इम्यूनिटी को बेहतर करने के साथ-साथ पर्यावरण को शुद्ध रखना है। हर्बल मार्गों को विकसित करने हेतु अलग से कोई धनावंटन निर्गत नहीं किया गया है, बल्कि मौजूद संसाधन जैसे मार्गों पर कन्टेन्जेन्सी मद इत्यादि से जनहित व स्वास्थ्यवर्धन का यह कार्य कराया गया है।

कोर्ट में ढूंगा जवाब, पानी चोरों को जेल भिजवाकर ही मानूंगा: संजय

संवाददाता

लखनऊ। आप के यूपी प्रभारी राज्यसभा सांसद संजय सिंह की ओर से जलशक्ति मंत्री महेंद्र सिंह द्वारा भेजे गए मानहानि के नोटिस का कोई जवाब नहीं दिया जाएगा। मंत्री अगर मुकदमा कराते हैं तो आप सांसद कोर्ट के आगे पानी चोरों की पूरी कलई खोलेंगे। इसके लिए आप नेता के विधिक सलाहकार ने पूरी तैयारी कर ली है। उधर, नोटिस पर प्रतिक्रिया देते हुए संजय सिंह ने कहा-आदित्यनाथ मेरे साथ चोरी और सीनाजोरी का फामूर्ला नही चलेगा। आप मुकदमे कराइए, जेल भिजवाइये, एनकाउंटर कराइए लेकिन मैं घोटालेबाजों से हर लड़ाई लड़ने के लिए संकल्पबद्ध हूं। संजय सिंह ने एक वीडियो भी ट्वीट किया। इसके जरिये उन्होंने कहा कि आदित्यनाथ की सरकार चोरी और सीनाजोरी के फामूर्ले पर चल रही है। मैंने उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन में महाघोटाले का मामला उजागर किया। खुद को ईमानदार बताने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उम्मीद थी कि वोइस घोटाले में कड़ी कार्रवाई करेंगे, लेकिन उन्होंने तो अपने मंत्री के माध्यम से मुझे मानहानि की नोटिस भिजवा दी। मैं बताना चाहता हूं भ्रष्टाचारियों को जेल भिजवाकर ही बैठूंगा, घोटाले की सीबीआई की जांच कराकर ही दम लूंगा, जिन लोगों ने जरूरतमंदों के घरों में पानी पहुंचाने के लिए बनी जल जीवन मिशन योजना में हजारों करोड़ का घोटाला किया है, उन्हें जेल की सींखचों के पीछे पहुंचाकर ही शांत होऊंगा। इसलिए यह मानहानि के मुकदमे की धमकी किसी और के लिए रखिए। मैं इससे डरने वाला नहीं हूं। संजय सिंह ने दो टूक कहा कि मंत्री महेंद्र सिंह द्वारा मानहानि के मुकदमे के लिए भेजे गए नोटिस का वह कोई जवाब नहीं देंगे। बेहतर होगा कि वह मुकदमा दर्ज कराएं, तो कोर्ट के आगे एक एक प्रमाण के साथ जल जीवन मिशन में हुए हजारों करोड़ का भ्रष्टाचार खोलूंगा। आप के विधि विशेषज्ञ अमित चोपड़ा की ओर से गुरुवार को जल जीवन मिशन में हुए घोटाले की शिकायत लोकायुक्त से की गई। इसकी जानकारी देते हुए यूपी प्रभारी संजय सिंह के विधिक सलाहकार एडवोकेट हरीशंकर पांडेय ने बताया कि मंत्री की ओर से की गई धांधली की शिकायत पूरे प्रमाणों के साथ दर्ज कराई गई है। इसमें प्रमुख रूप से रश्मि मेटलिक्स जो की आठ से दस राज्यों में बैन है, उसे हजारों करोड़ रुपये का पाइप सप्लाई का टेंडर देने की शिकायत है। जल निगम के मानक से तीस से चालीस फीसदी ज्यादा की दर पर बाहरी फर्मों को काम देकर योजना में भारी भ्रष्टाचार कध्या गया है। एडवोकेट अमित चोपड़ा ने कहा कि लोगों को पीने का साफ पानी मुहैया कराने वाली इस महत्वाकांक्षी योजना में हो रहे इस 30 से 35 करोड़ के भ्रष्टाचार के खिलाफ पार्टी निर्णायक लड़ाई का मन बना चुकी है। सांसद संजय सिंह के निर्देश पर 15 अगस्त के बाद पूरे प्रदेश में इसे लेकर धरना होगा। उन्हीं के निर्देश पर घोटालेबाजों के खिलाफ विधिक कार्रवाई भी शुरू की गई है।

कैंप के दौरान 900 लोगों ने लगवाया वैक्सीन

संवाददाता

लखनऊ। पलटन छावनी आश्रय गृह व सामुदायिक केंद्र सेक्टर आई गोयल चैराहा पर कोविड महामारी से बचाव हेतु वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन भारतेंदु हरिश्चंद्र वार्ड की पार्षद रूपाली गुप्ता के द्वारा विज्ञान फाउंडेशन ,आश्रय गृह पलटन छावनी, इंडिया लेबर लाइन तथा एक्शन एड , के सहयोग से किया गया। कैंप के दौरान पलटन छावनी आश्रय गृह में 500 तथा सामुदायिक केंद्र में 400 सहित 900 लोगो को निःशुल्क वैक्सीन लगाई गई। कैंप के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में लखनऊ की महापौर संयुक्ता भाटिया ने कहा की कैंप के लिए आस पास के सभी लोगो को जागरूक किया जाए ताकि अधिक से अधिक लोगो का वैक्सिनेशन किया जा सके। उन्होंने कहा कि हम सबकी जिम्मेदारी है की आस पास के लोग जो टीकाकरण नहीं करवा रहे हैं उनको मोटिवेट करें और टीकाकरण करवाने के लिए प्रेरित करें क्योंकि टीकाकरण का जो राष्ट्रीय अभियान चल रहा है यह तभी पूर्ण होगा जब सभी लोग टीकाकरण करवाएंगे वही उन्होंने लोगों से बात करते हुए दूसरी डोज सही समय से लगवाने के लिए कहा। इसी क्रम में विधायक डॉक्टर नीरज बोरा ने लोगो से बात करते हुए कहा की कैंप के दौरान जितने लोग टीकाकरण करवाने आए हैं आप सभी लोग टीकाकरण करवाएं और सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन करें सामाजिक दूरी बनाए रखें तथा मास्क अवश्य लगाएं। वहीं भारतेंदु हरिश्चंद्र वार्ड की पार्षद रूपाली गुप्ता ने कहा कि वैक्सीनेशन कैंप से पूर्व क्षेत्र में सभी लोगों को सूचना दी गई है तथा सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार भी किया गया था इसलिए आज दोनों स्थानों पर भारी संख्या में लोग वैक्सीनेशन करवाने के लिए उपस्थित हुए हैं लोग भरी संख्या में टीकाकरण केंद्र पर आ रहे है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कैंपो से बस्ती व क्षेत्र स्तर पर सभी लोगों को टीकाकरण का लाभ मिल सकेगा कैंप के दौरान पलटन छावनी आश्रय गृह में स्वास्थ्य विभाग की तरफ से शैलेंद्र सिंह तथा उनकी टीम के साथ विज्ञान फाउंडेशन के गुरुप्रसाद, संजय प्रताप, अमर सिंह, साजिदा ,भीम पाल, जितेंद्र मौर्य, बृजेश आदि लोगो का सहयोग सराहनीय रहा।

एसडीएम को जांच में मिला अवैध कब्जा, ग्रामीणो की शिकायत निकली सही

(मोहनलालगंज के गोविंदपुर के ग्रामीणो ने खेल मैदान की सुरक्षित जमीन पर अवैध कब्जे की सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायत, एसडीएम ने मौके पर पहुंचकर की जांच तो मिला अवैध कब्जा)

संवाददाता

मोहनलालगंज के गोविन्पुर गाँव में धर्म परिवर्तन के बाद सरकारी जमीन पर कब्जा करने की शिकायत के बाद गाँव पहुँच कर एसडीएम ने मामलें की जाँच की, शिकायत सही पाएं जानें पर एसडीएम ने मातहतों को कार्रवाई के निर्देश दिये हैं।

गोविन्दपुर गाँव में उन्नाव से आकर महिपाल ने धर्मपरिवर्तन करने के बाद गाँव में सरकारी जमीन पर कब्जा करने के बाद अवैध निर्माण कराने के बाद वहां पर आयोजित होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों मे गरीबों को बुलाकर भ्रमित किया जाता हैं इस मामले को लेकर पूर्व प्रधान व वर्तमान ग्राम प्रधान के पति हरिनाम सिंह यादव व ग्राम पंचायत सदस्यों ने एसडीएम से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की।

एसडीएम शुभी सिंह व तहसीलदार राजेश विश्वकर्मा गोविन्दपुर गाँव पहुँचकर मामले की जांच की, एसडीएम ने बताया कि महिपाल ने जिस भूमि पर कब्जा किया है वह भूमि खेल के मैदान के लिए प्रस्तावित है मामले मे लेखपाल व राजस्व निरिक्षक को कार्रवाई के निर्देश दिये गयें हैं।तहसीलदार राजेश विश्वकर्मा ने बताया कि कि इस मामले में पहलें भी धारा 67 के अन्तर्गत मुकदमा दर्ज कर नोटिस जारी की गई थी लेकिन फिर नोटिस वापस ले ली गयीं थी, मामले में कार्रवाई के निर्देश दिये गयें है।धर्म परिवर्तन करने वाला महिपाल अनुसूचित जाति से आता है ओर ईसाई बन गया है,जारी जाति प्रमाण पत्र को जांच के बाद निरस्त करने की भी कार्यवाही की जायेगी।गोविन्दपुर पंचायत के ग्राम प्रधान के पति पूर्व प्रधान हरिनाम सिंह यादव का कहना है कि महिपाल की गतिविधियों से गरीब लोग भ्रमित हो रहें हैं, सरकारी जमीन से कब्जा हटाने के साथ ही गतिविधियों पर रोक लगाई जाएँ, कार्रवाई न होने पर गाँव के लोग प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

अर्ली न्यूज परिवार की तरफ से सभी सुधि पाठकों को 75 वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

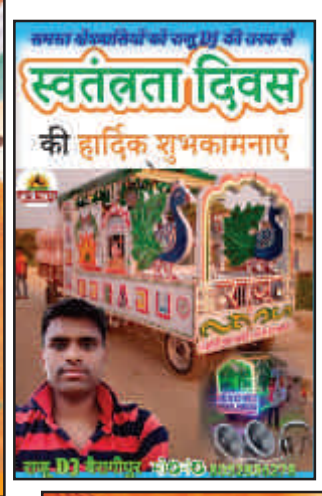

अर्ली न्यूज हिन्दी दैनिक, स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक आनन्द गोपाल चतुर्वेदी द्वारा ए.वी.बी रिप्रोग्राफिस, ए 59 तालकटोरा, लखनऊ से मुद्रित, कार्यालय- 190 पटेल नगर योजना, इंदिरा नगर, लखनऊ से प्रकाशित, संपादक- आनन्द गोपाल चतुर्वेदी, फोन- 0522-2410938,, फैक्स- 0422-0522-2701489, मोबाइल--+919454151000, 8795310000 ,**www.earlynews.in,** E-mail: earlynews2020@gmail.com, earlynews2013@yahoo.com, earlynews2013@gmail.com ,सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय मान्य होगा।, RNI NO-UPHIN/2013/50533